RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 339 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 07-07-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 अयोध्या मुद्दे पर आस्था से किया जा रहा है समझौता : अखिलेश

6 साइबर संजाल: डिजिटल दुनिया का काला सच

7 उत्साह के साथ मनाया दलाई लामा का 91वां जन्मदिन

फर्स्ट टेक

श्रीलंका जेल हिंसा : मृतकों की संख्या बढ़कर 25 हुई

कोलंबो/भाषा। श्रीलंका के पश्चिमी तटीय शहर नेगोम्बो की एक जेल में हुई हिंसक झड़पों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 25 हो गई है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। क्षमता से अधिक कैदियों वाली इस जेल में रविवार को कैदियों के दो गुटों के बीच झड़प हुई थी। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को जब उपद्रवी कैदियों ने जेल के हथियारों पर कब्जा कर लिया तो फिर से हिंसा भड़क गई। 'हीरू न्यूज' ने प्राधिकारियों के हवाले से बताया कि झड़पों और उसके बाद जेल में हुई हिंसा में 25 लोगों की मौत हो गई है जबकि 100 अन्य घायल हुए हैं।

पश्चिम बंगाल में तीन राज्यसभा सीटों के लिए 24 को उपचुनाव

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम बंगाल से राज्यसभा की तीन सीटों के लिए 24 जुलाई को उपचुनाव होगा। ये सीटें तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों के इस्तीफे के कारण खाली हुई हैं। इस उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तीनों सीटें जीतने की संभावना है। तृणमूल के जिन तीन राज्यसभा सदस्यों ने इस्तीफा दिया था, उनमें सुखेंदु शेखर राय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बड़ाइक शामिल है। इन तीनों ने जून में अलग-अलग तिथियों पर इस्तीफा दिया था। उन्होंने विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद पार्टी नेतृत्व पर सवाल उठाते हुए अपने पद छोड़े थे।

इसरो को फिर बम से उड़ाने की मिली धमकी का ईमेल

बेंगलूरु/भाषा। बेंगलूरु स्थित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) मुख्यालय को सोमवार को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसके बाद अधिकारियों ने व्यापक तलाशी अभियान चलाया। पुलिस ने यह जानकारी दी। तलाशी के दौरान हालांकि कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, जिससे यह संदेश फर्जी साबित हुआ। कुछ दिन पहले भी मुख्यालय को इस तरह की धमकी मिली थी जो बाद में अफवाह साबित हुई। पुलिस ने बताया कि धमकी की सूचना मिलने पर पुलिसकर्मी, श्वान दस्ता और बम निरोधक दस्ता न्यू बीईएल रोड स्थित इसरो के परिसर में पहुंचे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एहतियात के तौर पर सभी कर्मचारियों को बाहर निकाल लिया गया और इमारत की गहन तलाशी ली गई। पुलिस ने बताया कि जिस ईमेल से धमकी भेजी गई थी संजय नगर थाना पुलिस उसके स्रोत की जांच कर रही है और यह भी पता लगा रही है कि क्या इसका दो जुलाई को भेजे गए फर्जी ईमेल से कोई संबंध है।

07-07-2026 सूर्यास्त 6:39 बजे	08-07-2026 सूर्योदय 5:50 बजे
BSE 78,285.07 (+ 521.16)	NSE 24,430.35 (+159.50)
सोना 15,108 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 243,000 रु. प्रति किलो

'अनुच्छेद 370 को हटाने से श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना पूरा हुआ'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुखर्जी एक मजबूत वैकल्पिक आवाज के तौर पर तब उभरे, जब कांग्रेस के दौर में अलग-अलग राजनीतिक विचारधाराओं के लिए बहुत कम गुंजाइश थी। मोदी ने उन कार्यकर्ताओं की पीढ़ियों को भी श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने मुखर्जी द्वारा रखी गई वैचारिक नींव को बनाए रखने और उसका विस्तार करने में मदद की।

कोलकाता/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 370 को हटाकर भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना पूरा किया है। उन्होंने मुखर्जी को एक दूरदर्शी नेता बताया, जिन्होंने अपना जीवन देश की एकता और अखंडता के लिए समर्पित कर दिया था। मुखर्जी की 125वीं जयंती के मौके पर एक कार्यक्रम को वीडियो संदेश के जरिए संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि देश एक ऐसे नेता के योगदान को याद कर रहा है, जिनके आदर्श पीढ़ियों को प्रेरित करते रहते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, आज हमारा देश महान दूरदर्शी श्यामा प्रसाद मुखर्जी को याद कर रहा है। अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने के केंद्र सरकार के फैसले का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा, अनुच्छेद 370 को हटाकर हमने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना पूरा किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुखर्जी एक भारत, श्रेष्ठ भारत के विचार के पक्षधर थे और राष्ट्रीय एकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग रहे। भारत के बंटवारे के समय मुखर्जी की भूमिका का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि पूरे बंगाल को पाकिस्तान में मिलाने की कोशिश की गई थी, लेकिन जनसंघ के संस्थापक ने इसके खिलाफ जनमत तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। मोदी ने उस दौर की मुखर्जी की एक बात याद दिलाई कि कांग्रेस ने देश का बंटवारा किया, मैंने पाकिस्तान का बंटवारा किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मुखर्जी एक मजबूत वैकल्पिक आवाज के तौर पर तब उभरे, जब कांग्रेस के दौर में अलग-अलग राजनीतिक विचारधाराओं के लिए बहुत कम गुंजाइश थी। मोदी ने उन कार्यकर्ताओं की पीढ़ियों को भी श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने मुखर्जी द्वारा रखी गई वैचारिक नींव को बनाए रखने और उसका विस्तार करने में मदद की। उन्होंने कहा, कई कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनसंघ की विचारधारा और सिद्धांतों को जीवित रखने के लिए कड़ी मेहनत की है। जनसंघ से भारतीय जनता पार्टी बनने के सफर का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि पार्टी अपने संस्थापक के सिद्धांतों पर कायम रहते हुए एक बड़ी लोकतांत्रिक ताकत के तौर पर उभरी है। उन्होंने कहा, जो कभी भारतीय जनसंघ था, वह आज भारतीय जनता पार्टी के रूप में दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक ताकत बनकर लोगों की सेवा कर रहा है। मुखर्जी की स्थायी विरासत पर भरोसा जताते हुए मोदी ने कहा कि भविष्य की पीढ़ियां, जो भाजपा के इतिहास का अध्ययन करेंगी, उनके योगदान को हमेशा मानती रहेंगी। प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि जब आने वाली पीढ़ियां भारतीय जनता पार्टी का इतिहास लिखेंगी, तो वे निश्चित रूप से डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सिद्धांतों, साहस और उनकी दूरदर्शी सोच का जिक्र करेंगी।

भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' को और मजबूती देने मोदी इंडोनेशिया पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जकार्ता/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीन देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण में सोमवार को इंडोनेशिया पहुँचे। उनकी इस यात्रा का उद्देश्य भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी', 'महासागर विजन' तथा एक स्वतंत्र, खुले एवं समावेशी हिंद-प्रशांत के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को और मजबूत करना है। विशेष सद्भावना के तहत हवाई अड्डे पर मोदी का स्वागत इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने किया। इसके अलावा, प्रधानमंत्री की अगवानी करने के लिए चार मंत्री भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री मोदी का इस दौरान पारंपरिक ढंग से स्वागत किया गया और उन्होंने सलामी गारद का निरीक्षण किया। मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, जकार्ता पहुँच गया हूँ। हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो द्वारा मेरा स्वागत किए जाने की सद्भावना से मैं बहुत प्रभावित हूँ।

वर्ष 2018 में संबंधों को व्यापक 'रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक ले जाए जाने के बाद से इंडोनेशिया की यह मोदी की पहली द्विपक्षीय यात्रा है। मोदी ने कहा, ''2018 में इंडोनेशिया की मेरी पहली यात्रा के दौरान भारत और इंडोनेशिया ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक बढ़ाया, जिससे हमारे लोगों को लाभ हुआ है।'' उन्होंने कहा कि वह राष्ट्रपति सुबियांतो के साथ बातचीत करेंगे, जिसका उद्देश्य अलग-अलग क्षेत्रों में इस साझेदारी को और ''गति देना'' है। मोदी ने कहा, राष्ट्रपति प्रबोवो और मैं योग्याकार्ता में प्रम्बानन मंदिर परिसर का दौरा करेंगे। इससे हमारे देशों के बीच सांस्कृतिक संबंध और मजबूत होंगे। इंडोनेशिया में रहने के दौरान, मैं भारतीय समुदाय के लोगों से मिलने के लिए भी उत्सुक हूँ।

योग्याकार्ता शहर से लगभग 17 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित यह सदियों पुराना मंदिर इंडोनेशिया का सबसे विशाल हिंदू मंदिर माना जाता है। दिल्ली से रवाना होने से पहले, मोदी ने कहा कि इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की उनकी यात्रा भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी', 'महासागर विजन' और साथ ही मुक्त एवं खुले हिंद-प्रशांत के प्रति हमारे नजरिए'' को और मजबूत करेगी। महासागर, यानी सभी क्षेत्रों में सुरक्षा के लिए पारस्परिक एवं समग्र विकास', सभी क्षेत्रों की सुरक्षा और विकास के लिए भारत का विजन है।

मोदी की यह यात्रा जनवरी 2025 में गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर राष्ट्रपति प्रबोवो की भारत की राजकीय यात्रा के बाद हो रही है। उन्होंने कहा, ''भारत और इंडोनेशिया के बीच सभ्यतागत एवं लोगों के आपसी संबंध बहुत मजबूत हैं, तथा मेरी यह यात्रा हमारी बहुआयामी साझेदारी के सभी पहलुओं को और मजबूत करेगी।'' इंडोनेशिया से मोदी ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के निमंत्रण पर मेलबर्न जाएंगे। यात्रा के आखिरी चरण में वह न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के न्योते पर ऑकलैंड पहुंचेंगे।

व्हाट्सऐप को यूजरनेम विवाद पर जवाब के लिए सरकार से मिला अतिरिक्त समय

नई दिल्ली/भाषा। मेटा के स्वामित्व वाले त्वरित संदेश मंच व्हाट्सऐप को विवादित 'यूजरनेम' फीचर पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए केंद्र सरकार ने अतिरिक्त समय दिया है। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, व्हाट्सऐप ने आश्वासन दिया है कि सरकार के साथ चर्चा पूरी नहीं होने तक इस फीचर को भारत में लागू नहीं किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि व्हाट्सऐप को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्रालय के नोटिस पर जवाब देने के लिए तीन दिन का अतिरिक्त समय दिया गया है। पहले जवाब देने की अंतिम तिथि शुक्रवार निर्धारित थी। यूजरनेम फीचर के तहत उपयोगकर्ता फोन नंबर साझा नहीं करने के बावजूद मैसेजिंग मंच पर संवाद या चैट कर सकेंगे। केंद्र सरकार ने पिछले सप्ताह इस प्रस्तावित फीचर को लेकर मेटा को नोटिस जारी किया था और आशंका जताई थी कि इससे ऑनलाइन धोखाधड़ी, फिशिंग, डिजिटल अरेस्ट जैसे घोटाले और प्रतिरूपण के मामलों में वृद्धि हो सकती है। सरकार ने इस फीचर को परामर्श प्रक्रिया पूरी नहीं होने तक रोकने को भी कहा था। सूत्रों के अनुसार, मेटा की एक टीम ने पिछले शुक्रवार को आईटी मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठक भी की थी। नोटिस में सरकार ने मेटा से यह स्पष्ट करने को कहा था कि ऐसे फीचर के चलते साइबर अपराध बढ़ने की आशंका को देखते हुए आईटी अधिनियम और संबंधित नियमों के तहत कार्रवाई क्यों न की जाए।

राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सीईओ चयन करने के लिए समिति गठित

अयोध्या/भाषा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने सोमवार को ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के लिए उपयुक्त उम्मीदवारों के चयन करने के लिए तीन सदस्यीय समिति की घोषणा की। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने पत्रकारों से बातचीत में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, हमने न्यायाधीश (सेवानृवित) प्रदीप कोहली, लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) विष्णुकांत चतुर्वेदी और सुरेश हवारे (श्री साईबाबा संस्थान ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष) की तीन सदस्यीय समिति नियुक्त की । यह समिति उम्मीदवारों का साक्षात्कार लेगी और हमें चुनने के लिए तीन नाम देगी। गोविंद देव गिरि ने सोमवार को अयोध्या में ट्रस्ट की एक मैराथन बैठक के बाद कहा, ''यह काम कोई एक व्यक्ति नहीं करेगा, बल्कि अनुभवी लोगों की एक समिति करेगी।'' ट्रस्ट की बैठक से पहले, विश्व हिंदू परिषद ने ट्रस्ट के मामलों के प्रबंधन के लिए एक सीईओ का पक्ष लिया था और उम्मीद जताई थी कि बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा की जाएगी।

भारी बारिश से मुंबई बेहाल, पुणे एक्सप्रेसवे पर यातायात ठप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/पुणे/भाषा। मुंबई और उसके आसपास के शहरों में सोमवार को हुई मूसलाधार बारिश ने इन इलाकों में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया और कई जगहों पर भूस्खलन हुआ, जिसके कारण अधिकारियों को महत्वपूर्ण मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे को बंद करना पड़ा और कुछ खंडों पर रेलवे परिचालन को निलंबित करना पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि पुणे जिले की मावल तहसील के पाटन गांव में भूस्खलन के कारण एक घर के मलबे में दब जाने से दो लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुणे की खेड़ तहसील में बाढ़ की चपेट में आने से एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। महाराष्ट्र के आपदा प्रबंधन मंत्री गिरीश महाजन ने कहा कि पिछले तीन से चार दिनों में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 13 लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने बताया कि अगले दो दिनों के लिए भारी बारिश का 'रेड' अलर्ट जारी किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि ठाणे शहर में उखड़े हुए एक विशाल पेड़ को हटाने के दौरान एक दमकलकर्मी घायल हो गया, जबकि अलग-अलग घटनाओं में एक बड़ा होर्डिंग और दो दीवारें गिर गईं। उन्होंने बताया कि पड़ोसी पालघर में भी तेज हवाओं के कारण एक आवासीय स्कूल के टिन शेड उड़ गए और पेड़ उखड़ गए, हालांकि संस्थान के सभी 350 छात्र सुरक्षित हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मुंबई और पड़ोसी ठाणे तथा रायगढ़ जिलों के लिए 'रेड' अलर्ट जारी किया है, जिसमें तेज हवाओं के साथ भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान जताया गया है और लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की गई है।

'भारत टैक्सी' की तर्ज पर नई सहकारी जीवन बीमा कंपनी बनेगी : अमित शाह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को घोषणा की कि सहकारी संस्थाओं के कारोबार का दायरा बढ़ाने के लिए एक सहकारी जीवन बीमा कंपनी स्थापित की जाएगी। उन्होंने साथ ही कहा कि 'भारत टैक्सी' की सेवाओं का विस्तार अगले दो साल में 500 शहरों तक किया जाएगा राष्ट्रीय राजधानी में सहकारिता मंत्रालय के पांचवें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने भारत के सहकारी तंत्र की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए पेशेवरों की नियुक्तियों में भ्रष्टाचार समाप्त करने पर जोर दिया।

शाह ने कहा कि मंत्रालय की स्थापना से भारत के सहकारी आंदोलन को नई ऊर्जा मिली है, जिसे कांग्रेस शासन के दौरान ''उपेक्षित आंदोलन'' बनाया गया था। भारत में लगभग 8.5 लाख सहकारी संस्थाएं हैं, जिनके 30 करोड़ से अधिक सदस्य हैं। मंत्री ने मंत्रालय की ओर से उठाए गए कदमों का उल्लेख किया, जिनमें सहकारी तंत्र में पारदर्शिता और पेशेवर व्यवस्था लाने के प्रयास शामिल हैं।

मंत्री ने कहा कि सहकारी मॉडल के तहत शुरू की गई कैब सेवा से जुड़े मंच 'भारत टैक्सी' का प्रदर्शन अच्छा रहा है और अगले दो वर्षों में इसका विस्तार 500 शहरों तक किया जाएगा। सहकारिता मंत्री ने कहा, ''भारत टैक्सी' की तर्ज पर हम सहकारी क्षेत्र में एक जीवन बीमा कंपनी स्थापित करेंगे। इससे बीमा क्षेत्र में सहकारी संस्थाओं के विकास में मदद मिलेगी।'' उन्होंने कहा कि उर्वरक क्षेत्र की सहकारी संस्था इफको का संयुक्त उद्यम इफको-टोकियो पहले से ही बीमा कारोबार में है। भारत में वर्तमान में 26 जीवन बीमा कंपनियां हैं।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सूरते हाल

हर गाँव शहर में बने हुए,
अनगिन अवैध निर्माण कईं।
जिनकी है खबर सभी को ही,
शासन के पास प्रमाण कईं।
जब भी होती दुर्घटनाएं,
निर्दोष गँवाते प्राण कईं।
दोषी को मिलती नहीं सजा,
पा जाते न्यायिक त्राण कईं।।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने

महासचिव चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मंदिर के चढ़ावे में कथित गबन की जांच जारी रहने के बीच सोमवार को यहां एक बैठक के दौरान अपने महासचिव चंपत राय और सदस्य अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार कर लिये। ट्रस्ट के एक पदाधिकारी ने यह जानकारी दी। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने बताया कि तीन घंटे से अधिक समय तक चली बैठक में अंतरिम व्यवस्था के तौर पर सदस्य कृष्ण मोहन को महासचिव की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपने का भी निर्णय लिया गया। यह बैठक शाम को समाप्त हुई, जिसके बाद ट्रस्ट के अध्यक्ष नृत्य गोपाल दास कार्यक्रम स्थल से चले गए। बैठक राम जन्मभूमि परिसर के अंदर दोपहर करीब सवा तीन बजे शुरू हुई जिसमें ट्रस्ट के नौ स्थायी सदस्यों में से सात ने भाग लिया।

मंदिर के दान के गबन के आरोपों के बाद राय और मिश्रा द्वारा दिए गए इस्तीफे पर विचार-विमर्श करने, मामले की एसआईटी जांच की प्रगति की समीक्षा करने और इस्तीफे स्वीकार किए जाने पर ट्रस्ट में प्रमुख पदों पर नियुक्तियों पर चर्चा करने के

मंदिर के दान की कथित चोरी की जांच के लिए गठित एक एसआईटी ने पिछले महीने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी थी, जिसके बाद एक प्राथमिकी दर्ज की गई ।

लिए यह बैठक बुलाई गई थी। बैठक से पहले, ट्रस्ट के अध्यक्ष नृत्य गोपाल दास ने कहा था कि वह राम लला मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी से ''बहुत दुखी'' हैं।

उन्होंने जिम्मेदार लोगों के लिए कड़ी सजा की मांग की है। उन्होंने यह विश्वास भी जताया कि कथित अपराध से जुड़े सभी लोगों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।

राम मंदिर परिसर के आसपास व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी, संपर्क मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया था। मीडिया कर्मियों एवं अन्य लोगों के निजी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाया गया था। सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए बैठक स्थल को मणिराम दास छावनी से मंदिर परिसर में स्थानांतरित कर दिया गया था।

मंदिर के दान की कथित चोरी की जांच के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित एक एसआईटी ने पिछले महीने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी थी, जिसके बाद एक प्राथमिकी दर्ज की गई और आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जांचकर्ताओं ने हटाए गए सीसीटीवी फुटेज भी बरामद किए हैं, जिसमें कथित तौर पर कुछ आरोपी मंदिर परिसर से बाहर जाते समय नोटों को छिपाते हुए नजर आ रहे हैं।

भारी बारिश की वजह से मुंबई आ रही पांच उड़ानों का मार्ग बदला गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारी बारिश और खराब मौसम की वजह से सोमवार को अपराह्न साढ़े तीन बजे तक मुंबई आ रही पांच उड़ानों के मार्ग में बदलाव कर संबंधित विमानों को दूसरे स्थानों पर उतारा गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने एक बयान में बताया कि रायपुर से आ रही इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई 595 और सिंगापुर से आ रही उड़ान 6ई 1340 का मार्ग बदलकर इन विमानों को हैदराबाद हवाई अड्डे पर उतारा गया जबकि दिल्ली से आ रही आकासा एयर की उड़ान क्यूपी1110 (दिल्ली-मुंबई) को अहमदाबाद मोड़ा गया।

निजी विमानन कंपनियों ने एक बयान में बताया कि कोलकाता से आ रही एअर इंडिया की उड़ान एआई 2772 और मस्कट से आ रही ओमान एयर की उड़ान डब्ल्यूवाई203 (मस्कट-मुंबई) को क्रमशः बेंगलूरु और वडोदरा हवाई अड्डों पर उतारा गया। मुंबई और उसके आस-पास के इलाकों में पिछले कुछ दिनों से मूसलाधार बारिश हो रही है, जिससे सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

बाढ़ के कारण आलंदी का संपर्क कटा, वरकारियों से यात्रा स्थगित करने की अपील

पुणे/भाषा। इंद्रायणी नदी में ऊफान के चलते आलंदी तक जाने वाले मार्ग के चारों पुल जलमग्न हो जाने के मद्देनजर पुणे ज़िला प्रशासन ने सोमवार को वरकारियों और श्रद्धालुओं से संत ज्ञानेश्वर महाराज की आगामी पालखी यात्रा में शामिल होने के लिए यहां नहीं आने की अपील की है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को पुणे के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है और जिले में भारी बारिश की चेतावनी दी है।

आठ जुलाई को निकलने वाले पालखी जुलूस के लिए हजारों श्रद्धालुओं के शहर पहुंचने की उम्मीद है। ऐसे में अधिकारियों ने शहर को अगम्य घोषित कर दिया है और अपील की है कि जो लोग पहले से ही रास्ते में हैं, वे बाढ़ के मद्देनजर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यात्रा तत्काल रोक दें। प्रशासन ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''इंद्रायणी नदी पर बने जिन चारों पुलों के माध्यम से आलंदी तक पहुंचा जा सकता है, वे बाढ़ के कारण डूब गए हैं। फिलहाल इस शहर की यात्रा करना सुरक्षित नहीं है।'' उसने यात्रा के लिए निकल चुके वरकारियों और श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अपनी मौजूदा जगहों पर ही रुक जाएं और अगले आदेश तक शहर में प्रवेश न करें।

भारी बारिश के बीच उत्तरी मुंबई में मनोरी तट के पास जहाज फंसा : पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। उत्तरी मुंबई में मनोरी तट से करीब एक किलोमीटर दूर भारी बारिश के बीच सोमवार को एक जहाज फंस गया। चूंकि यह क्षेत्र चट्टानी है और तेज हवाओं के कारण राहत कार्यों के लिए छोटे जहाजों का वहां जाना असुरक्षित है, इसलिए स्थानीय पुलिस ने भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) को इसकी सूचना दे दी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

गोराई थाने के एक अधिकारी ने बताया कि फंसे हुए जहाज के बारे में सुबह जानकारी मिली और स्थापित प्रोटोकॉल के अनुसार नौसेना, तटरक्षक बल (आईसीजी) तथा अन्य संबंधित समुद्री प्राधिकारियों को स्थिति से अवगत कराया गया।

उन्होंने कहा, जहाज मनोरी तट से करीब एक किलोमीटर दूर फंसा हुआ है। जहाज ने लंगर डाल दिया है और इससे जुड़ी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। अधिकारी ने बताया कि समुद्री एजेंसियों के अधिकारी स्थिति पर पैनी नजर रख रहे हैं।

स्थानीय मछुआरों ने कहा कि यह क्षेत्र चट्टानी है और तेज हवाओं के कारण छोटे जहाजों के लिए उस फंसे जहाज की ओर जाना असुरक्षित हो गया है।

मुंबई और उसके आसपास के इलाकों में पिछले कुछ दिनों से भारी बारिश हो रही है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की

नई दिल्ली/भाषा। नवनियुक्त थल सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने सोमवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में इस मुलाकात की एक तस्वीर साझा की। राष्ट्रपति कार्यालय ने पोस्ट में कहा, थल सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने अपनी पत्नी श्रीमती कोमल सेठ के साथ राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। जनरल धीरज सेठ ने 30 जून को नए थल सेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला है। उनके पास पश्चिमी मोर्चे पर सेना की दो परिचालन कमानों का नेतृत्व करने का अनुभव है।

इमारत बनी नहीं, फिर भी होती रहीं नियुक्तियां और तबादले, चर्चा में इंदौर का 'घोस्ट हॉस्पिटल'

इंदौर/भाषा। इंदौर में घनी आबादी वाले खजराना इलाके में प्रस्तावित 100 बिस्तरों वाले सिविल अस्पताल की इमारत सरकारी मंजूरी के छह साल बाद भी अस्तित्व में नहीं आ सकी है, लेकिन इस अस्पताल के लिए स्वीकृत 87 पदों पर नियुक्तियां और कर्मचारियों के तबादले होते रहे हैं। सोशल मीडिया पर कई लोग महज कागजों पर जारी इस परियोजना को 'घोस्ट हॉस्पिटल' जैसे नामों से संबोधित करते हुए प्रतिक्रियाएं व्यक्त कर रहे हैं। लोग सवाल कर रहे हैं कि जब अस्पताल का भवन ही अस्तित्व में नहीं है, तो उसके नाम पर तबादले भला किस आधार पर किए जा रहे हैं?

अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि खजराना और आस-पास के क्षेत्रों में करीब पांच लाख की आबादी को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 100 बिस्तरों वाले नये सिविल अस्पताल की कवायद 2019 में शुरू की गई थी और 2020 में इसके निर्माण को मंजूरी दी गई थी। उन्होंने बताया कि यह मंजूरी मिलते ही चिकित्सकों, नर्स, लैब टेक्नीशियन और फार्मासिस्ट आदि के कुल 87 पद तय सरकारी प्रक्रिया के तहत अस्पताल के लिए स्वीकृत किए गए थे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. माधव हासानी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''खजराना सिविल अस्पताल के लिए हमें जमीन का आवंटन कर दिया गया है, लेकिन अब तक हमें जमीन का कब्जा नहीं मिला है जिससे यह जमीन निर्माण एजेंसी के सुपुर्द नहीं की जा सकी है।'' हासानी ने कहा कि अस्पताल का निर्माण समय पर नहीं हो सका, इसलिए अस्पताल के लिए स्वीकृत स्टाफ का उपयोग शहर के 85 मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिकों और अन्य चिकित्सा संस्थानों में किया जा रहा है।

भारी बारिश से पश्चिम रेलवे का परिचालन ठप, लंबी दूरी की 20 से अधिक ट्रेनें फंसीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई और दक्षिण गुजरात में भारी बारिश के बाद पटरियों के जलमग्न होने से सोमवार को पश्चिम रेलवे का परिचालन पूरी तरह चरमरा गया। इसके कारण लंबी दूरी की 20 से अधिक ट्रेनों को विभिन्न स्टेशनों पर रोकना पड़ा। ट्रेन सेवाओं के निरस्त होने, उनके मार्ग में परिवर्तन तथा विलंब के कारण 40 से अधिक ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई। इसके मद्देनजर रेल प्रशासन ने फंसे हुए यात्रियों की सहायता के लिए राहत कार्य तेज करने के साथ ही मुंबई-अहमदाबाद मुख्य रेलमार्ग पर यातायात बहाल करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

पश्चिम रेलवे के अधिकारियों के मुताबिक, वसई रोड-विरार और सफाले-पालघर रेलखंडों के बीच भारी जलभराव के कारण ट्रेनों की आवाजाही पर सबसे बुरा असर पड़ा है। अपराह्न 1.50 बजे तक विरार, वाणगांव, पालघर, दहानू रोड और वलसाड जैसे स्टेशनों पर लंबी दूरी की कम से कम 22 ट्रेनों को रोक कर रखा गया था।

पश्चिम रेलवे के एक प्रवक्ता ने बताया कि दिनभर में कुल 40 से अधिक ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं। भारी बारिश, जलभराव और भूस्खलन के मद्देनजर कम से कम आठ ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया, 10 को निरस्त करना पड़ा, जबकि कई ट्रेनों को उनके तय गंतव्य से पहले के स्टेशनों पर ही समाप्त कर दिया गया। अधिकारियों के अनुसार, महाराष्ट्र के पालघर जिले में सुबह महज दो घंटे के भीतर लगभग 300 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जिससे सुबह नौ बजे तक स्थिति बेहद गंभीर हो गई। इस व्यवधान के कारण बांद्रा टर्मिनस-श्री माता वैष्णो देवी कटरा एक्सप्रेस, मुंबई सेंट्रल-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस और दादर-पोरबंदर सौराष्ट्र एक्सप्रेस सहित करीब आठ प्रमुख ट्रेनें रास्ते में ही फंसी रहीं।

वहीं, जलमग्न मार्ग पर ट्रेनों का दबाव और न बढ़े, इसके लिए अहमदाबाद, जोधपुर और भुज की ओर से आने वाली ट्रेनों को वापी और सूरत स्टेशनों पर ही रोक दिया गया। इस संकट की स्थिति में पश्चिम रेलवे ने स्थानीय स्वयंसेवी संस्थाओं (एनजीओ) की मदद से यात्रियों के लिए भोजन, पानी और जलपान की व्यवस्था की। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक ने बताया कि पालघर में हजरत निजामुद्दीन-मुंबई सेंट्रल गरीब रथ एक्सप्रेस के यात्रियों को भोजन के करीब 500 पैकेट बांटे गए। इसके अलावा मुंबई सेंट्रल, बांद्रा टर्मिनस और सूरत जैसे बड़े स्टेशनों पर यात्रियों की मदद के लिए सहायता केंद्र शुरू किए गए हैं। मुख्य रेल मार्ग के साथ-साथ मुंबई की जीवनरेखा कही जाने वाली उपनगरीय (लोकल) ट्रेन सेवाएं भी प्रभावित हुईं। बोरीवली और चर्चगेट के बीच लोकल ट्रेनें 15 से 20 मिनट की देरी से चलीं, जबकि विरार-दहानू खंड पर परिचालन सबसे ज्यादा प्रभावित रहा।

मणिपुर के मुख्यमंत्री ने गंभीर रूप से बीमार, विस्थापित हुए 26 लोगों को एक-एक लाख रु. सौंपे

इम्फाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह ने सोमवार को लंबे समय से बीमारियों से पीड़ित और आंतरिक रूप से विस्थापित 26 लोगों को इलाज के लिए एक-एक लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की। यह जानकारी एक आधिकारिक बयान में दी गई। सिंह ने इम्फाल पश्चिम जिले के लाम्बोइखोंगनांगखोंग स्थित मणिपुर ट्रेड एक्सपो सेंटर राहत शिविर में गंभीर रूप से बीमार और आंतरिक रूप से विस्थापित को चिकित्सा सहायता वितरण कार्यक्रम के दौरान यह सहायता सौंपी। उन्होंने कहा, ''लंबे समय से बीमार और आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों को विशेष वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।'' आज दी गई वित्तीय सहायता सरकार के सहयोग का अंतिम चरण नहीं है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी ऐसे लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। सिंह ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि लोग अपने ही घरों में नहीं रह पा रहे हैं।

पॉइंट्समैन की मौत के बाद रेल कर्मचारियों का विरोध, 12 घंटे का ड्यूटी रोस्टर हटाने की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। 'ऑल इंडिया पॉइंट्समैन एसोसिएशन' (एआईपीएमए) ने एक जुलाई को नागपुर के गुडमा स्टेशन पर ट्रेन संचालन में मदद करते समय सदस्य की मौत के बाद 12 घंटे की ड्यूटी रोस्टर को खत्म करने की मांग की है। अधिकारियों ने बताया, एक जुलाई को गुडमा स्टेशन पर रात 8 बजे से सुबह 8 बजे तक ड्यूटी पर तैनात पॉइंट्समैन अभिलाष यादव को टाटा नगर एक्स. ने टक्कर मार दी। उन्होंने कहा, इस स्टेशन पर एक ट्रेन का सफर खत्म होने के बाद उन्होंने (यादव ने) उसे बगल वाली पटरी पर ले जाकर स्थिर करवाया।

उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि उसी पटरी पर टाटा नगर एक्सप्रेस आ रही थी। भारतीय रेलवे में पॉइंट्समैन को कांटेवाला भी कहा जाता है, जिनकी जिम्मेदारियों में पटरी के समपार बिंदुओं पर समस्याओं को देखना, यात्रा के बाद ट्रेनों को यार्ड में सुरक्षित करना, लोको पायलट और गार्ड को लिखित सूचनाएं पहुंचाना और अन्य काम शामिल हैं। कर्मचारी संघ ने आरोप लगाया यादव की मौत की वजह उनपर काम का ज्यादा बोझ था। इससे न सिर्फ़ ट्रेनों का सुरक्षित संचालन सीधे तौर पर खतरे में पड़ रहा है, बल्कि परिचालन से जुड़े हजारों अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों की जान भी जोखिम में पड़ रही है। ऑल इंडिया पॉइंट्समैन एसो. के केंद्रीय सांगठनिक सचिव साई प्रसाद ने कहा, एक जुलाई को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल के अंतर्गत गुडमा स्टेशन पर गंभीर मानसिक और शारीरिक थकान के विनाशकारी परिणाम दर्दनाक ढंग से सामने आए।

वैष्णव ने नांदेड़-मुंबई और टनकपुर-नांदेड़ एक्सप्रेस ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को यहां से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए नांदेड़-मुंबई और टनकपुर-नांदेड़ एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखायी। इसके साथ ही उन्होंने टनकपुर-पीलीभीत रेल सेवा का विस्तार शाहजहांपुर तक किए जाने का भी उद्घाटन किया। वैष्णव ओडिशा के दौरे पर हैं, जहां वह भगवान जगन्नाथ की आगामी रथ यात्रा के मद्देनजर रेलवे की तैयारियों की समीक्षा करने के साथ-साथ दिन में बाद में ओडिशा से शुरू होने वाली दो ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाएंगे। उन्होंने नई रेल सेवाओं की शुरुआत यहां रेल सदन से की।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रेल मंत्री ने कहा कि नई रेल सेवाओं से रेल संपर्क बेहतर होगा और यात्रियों, विशेषकर उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के तराई क्षेत्र में रहने वाले सिख समुदाय को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा, ''तराई क्षेत्र में रहने वाले हमारे सिख भाई-बहनों की ओर से लंबे समय से इस रेल सेवा की मांग की जा रही थी। आज नांदेड़ से वाशिम और हिंगोली होते हुए मुंबई के लिए भी रेल सेवा शुरू की गई है, जिससे विदर्भ और मराठवाड़ा के कई जिलों का मुंबई से संपर्क बेहतर होगा। पीलीभीत, आगरा और टनकपुर को जोड़ने वाली कुछ अन्य रेल सेवाएं भी शुरू की गई हैं।'' वैष्णव ने कहा कि रेलवे खटीमा और बनबसा स्टेशनों पर इस ट्रेन के ठहराव की मांग पर भी विचार करेगा। उन्होंने कहा, ''यदि यह संभव हुआ, तो इस ट्रेन का ठहराव खटीमा और बनबसा में भी निश्चित रूप से दिया जाएगा।'' रेल मंत्री ने यह भी घोषणा की कि टनकपुर-पीलीभीत रेल सेवा का विस्तार उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर तक कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पहले विशेष ट्रेन के रूप में संचालित होने वाली टनकपुर-आगरा रेल सेवा को अब नियमित कर दिया गया है।

अभिनेता मोहनलाल ने पास 10 हाथीदांत और उससे बनी 13 मूर्तियां, वनविभाग को दी सूचना

कोच्चि। अभिनेता मोहनलाल ने केरल वन विभाग को जानकारी दी है कि उनके पास 10 हाथीदांत और उससे बनी 13 मूर्तियां हैं। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि अभिनेता ने यह जानकारी ऐसे समय में दी है जब वह वन्यजीवों से जुड़ी चीजें गैर-कानूनी तरीके से रखने के मामले में मुकदमे का सामना कर रहे हैं। मलयत्तूर संभागीय वन कार्यालय के अधिकारियों ने बताया कि यह जानकारी विभाग की माफी योजना के तहत दी गई है जिसके माध्यम से लोग अपने पास मौजूद वन्यजीव वस्तुओं की स्वेच्छा से घोषणा कर सकते हैं। अभिनेता ने इससे पूर्व चार हाथीदांत होने की जानकारी दी थी और अब उन्होंने छह और हाथी दांत के बारे में जानकारी दी है।

उन्होंने बताया कि हाथीदांत से बनी जिन मूर्तियों की जानकारी दी गई है, उनमें भगवान कृष्ण, भगवान राम और तिरुपति बालाजी की मूर्तियां शामिल हैं और इनका कुल वजन लगभग 46 किलोग्राम है। मोहनलाल ने दावा किया कि उनके पास मौजूद अधिकतर हाथीदांत उन्हें विरासत में या तोहफे के तौर पर मिले थे। अधिकारियों ने कहा कि वन विभाग इन हाथी दांतों और उनसे निर्मित मूर्तियों की प्रामाणिकता की जांच के लिए डीएनए जांच करेगा। अधिकारियों ने बताया कि वन विभाग की माफी योजना के तहत लोग कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए बिना पंजीकरण वाली वन्यजीवों से जुड़ी चीजों की जानकारी दे सकते हैं। मोहनलाल वर्तमान में वन्यजीव के एक मामले में अवैध रूप से चार हाथीदांत रखने के आरोप में मुकदमे का सामना कर रहे हैं।

कंपनियां कार्यबल बढ़ाने के बजाय एआई, विशेष कौशल को दे रही हैं प्राथमिकता

नई दिल्ली/भाषा। कंपनियां अब बड़े पैमाने पर भर्ती करने के बजाय कृत्रिम मेधा (एआई) की समझ रखने वाले, गुणवत्ता और विशेष कौशल वाले कर्मचारियों को प्राथमिकता दे रही है।

अपग्रेट की कर्मचारियों की भर्ती के बारे में सूचना देने वाली इकाई अपग्रेड रिक्रूट की एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। 'भारत में कार्य : वित्त वर्ष 2026-27 भर्ती रुझान' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट के अनुसार, देश का नियुक्ति बाजार नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां कंपनियां संख्या के बजाय गुणवत्ता आधारित भर्तियों पर अधिक ध्यान दे रही हैं। यह अध्ययन 12 क्षेत्रों के 11,418 वरिष्ठ मानव संसाधन, प्रतिभा प्रबंधन और कारोबारी अधिकारियों की राय पर आधारित है। अपग्रेड रिक्रूट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हुसैन टिनवाला ने कहा, भारत का भर्ती परिदृश्य अब संख्या आधारित नहीं बल्कि सटीकता पर केंद्रित हो रहा है। एआई आधारित अर्थव्यवस्था में टिकाऊ वृद्धि इस बात से परिभाषित नहीं होगी कि किसी कंपनी में कितने लोग कार्यरत हैं, पर इससे होगी कि वे कैसे जरूरत के हिसाब से प्रतिभाओं की पहचान और चयन करती हैं।'' रिपोर्ट के मुताबिक, लगभग 10 में से आठ कंपनियां अपने निर्धारित भर्ती लक्ष्य हासिल नहीं कर सकीं। इससे स्पष्ट होता है कि वर्तमान चुनौती योग्य प्रतिभा की उपलब्धता से अधिक भर्ती प्रक्रिया के क्रियान्वयन से जुड़ी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तीन से आठ वर्ष का अनुभव रखने वाले पेशेवर विभिन्न क्षेत्रों में सबसे अधिक मांग वाले कर्मचारी बनकर उभरे हैं। वहीं, सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं और वैश्विक क्षमता केंद्रों में हो रहे पुनर्गठन के कारण अनुभवी तकनीकी विशेषज्ञों की उपलब्धता बढ़ने की संभावना बनी है। रिपोर्ट के अनुसार, 70 प्रतिशत कंपनियां वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भर्ती की स्थिति को स्थिर मानती हैं, लेकिन महत्वपूर्ण पदों को भरने में आठ से 12 सप्ताह से लेकर 12 से 20 सप्ताह तक का समय लग रहा है।

स्टील्थ युद्धपोत महेंद्रगिरि को 11 जुलाई को नौसेना में किया जाएगा शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सतह से सतह और सतह से हवा में मार करने वाली अत्याधुनिक मिसाइल प्रणालियों सहित उन्नत हथियारों तथा अत्याधुनिक सेंसर प्रणाली से लैस स्वदेशी स्टील्थ युद्धपोत महेंद्रगिरि को 11 जुलाई को भारतीय नौसेना में शामिल किया जाएगा। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। नौसेना के एक प्रवक्ता ने बताया कि नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो (डब्ल्यूडीबी) द्वारा डिजाइन किए गए और मुंबई की मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) में निर्मित 'महेंद्रगिरि' परियोजना 17ए के तहत नीलगिरि श्रेणी का छठा युद्धपोत है।

उन्होंने बताया कि यह वायु रोधी, सतह रोधी और पनडुब्बी रोधी अभियानों को अंजाम देने की क्षमता है। उन्होंने बताया कि यह समुद्री सुरक्षा, शक्ति प्रदर्शन, मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (एचएडीआर), खोज एवं बचाव तथा समुद्र में लंबे समय तक तैनाती जैसे अभियानों के लिए भी उपयुक्त है। अधिकारी ने कहा, ''यह युद्धपोत स्वदेशी और अत्याधुनिक हथियारों एवं सेंसरों से लैस है। इसमें सतह से सतह और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणालियां, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक युद्धक क्षमता, व्यापक पनडुब्बी रोधी युद्ध प्रणाली तथा एकीकृत युद्ध प्रबंधन प्रणाली शामिल है।'' उन्होंने बताया कि अत्याधुनिक स्टील्थ विशेषताओं, बेहतर मजबूती, कम रडार पहचान क्षमता और उच्च स्तर की स्वचालन तकनीक से युक्त इस युद्धपोत में आधुनिक 'कम्बाइंड डीजल ऑर गैस' (सीओडीओजी) प्रणोदन प्रणाली लगी है, जिससे यह समुद्री अभियानों की पूरी श्रृंखला में उच्च गति और लंबी परिचालन क्षमता प्रदान करता है।

नौसेना ने कहा कि 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री से निर्मित महेंद्रगिरि सरकार की 'आत्मनिर्भर भारत' पहल का उत्कृष्ट उदाहरण है। नौसेना के अनुसार, इस युद्धपोत का नाम पूर्वी घाट की महेंद्रगिरि पर्वत श्रृंखला के नाम पर रखा गया है और यह दृढ़ता, शक्ति और अडिग संकल्प का प्रतीक है। नौसेना ने कहा कि यह युद्धपोत भारत के समुद्री हितों की रक्षा करते हुए एक प्रभावी बल गुणक के रूप में कार्य करेगा और सुरक्षित, स्थिर तथा समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र में योगदान देगा। यह युद्धपोत 30 अप्रैल को मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) में नौसेना को सौंपा गया था। इसके निर्माण में भारतीय उद्योगों के व्यापक नेटवर्क ने योगदान दिया है, जिनमें कई सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) शामिल हैं। इससे रोजगार सृजन के साथ देश के रक्षा औद्योगिक आधार को भी मजबूती मिली है।

नौसेना ने कहा कि इस युद्धपोत का सेवा में शामिल होना परियोजना 17ए कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस कार्यक्रम के तहत बने जहाजों में परियोजना 17 (शिवालिक श्रेणी) की तुलना में उन्नत हथियार और सेंसर प्रणाली लगी हुई है। नीलगिरि श्रेणी (परियोजना 17ए) का पांचवां जहाज स्टील्थ युद्धपोत 'दुनागिरी', अत्याधुनिक हथियार एवं सेंसर प्रणालियों से लैस है। उसे 21 जून को कोलकाता में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था। युद्धपोत दो अन्य अग्रिम पंक्ति के प्लेटफॉर्म-सर्वेक्षण पोत (लार्ज) संशोधक' और अर्नाला श्रेणी के चौथे पनडुब्बी रोधी वारफेयर शैलो 'वाटर क्राफ्ट' 'अग्रय' के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में नौसेना में शामिल किया गया था।

दिनाकरन खुद की पार्टी का नेतृत्व कर रहे, अन्नाद्रमुक में विलय काफी जटिल : पलानीस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नईय ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) प्रमुख ईके पलानीस्वामी ने सोमवार को पार्टी के कुछ पदाधिकारियों के इस सुझाव का बेहद सौम्य अंदाज में जवाब दिया कि अन्नाद्रमुक से निष्कासित टीटीवी दिनाकरन को पार्टी में वापस लिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि दिनाकरन अब खुद के राजनीतिक दल का नेतृत्व कर रहे हैं और संकेत दिया कि इस तरह के विलय की प्रक्रिया बेहद जटिल है। पलानीस्वामी ने तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक की मजबूती और पार्टी संरचना की समीक्षा के लिए सोमवार को 10 जिलों के पदाधिकारियों के साथ एक अहम बैठक की शुरुआत की। इस बैठक में उन्हें अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) महासचिव दिनाकरन को अन्नाद्रमुक में फिर से शामिल किए जाने का सुझाव दिया गया, जिन्हें 2017 में पार्टी (अन्नाद्रमुक) से निकाल दिया गया था। दिनाकरन ने 2018 में एएमएमके की स्थापना की थी। वह बाद में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल हो गए और 2026 के विधानसभा चुनावों में अन्नाद्रमुक का समर्थन किया। अन्नाद्रमुक के प्रदेश मुख्यालय में तंजावुर और शिवगंगा जिला इकाई के पदाधिकारियों के साथ बातचीत के दौरान इस प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए पलानीस्वामी ने कहा कि दिनाकरन अभी अपने राजनीतिक दल का नेतृत्व कर रहे हैं और संकेत दिया कि इस तरह के विलय की प्रक्रिया बेहद जटिल है।

तंजावुर इकाई के एक पदाधिकारी ने संवाददाताओं से कहा, बैठक में हममें से ज्यादातर लोगों ने पार्टी महासचिव से कहा कि कावेरी डेल्टा क्षेत्र और दक्षिणी जिलों में अन्नाद्रमुक को मजबूत करने के लिए दिनाकरन को पार्टी में वापस लाया जाना चाहिए। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब अन्नाद्रमुक के कई पूर्व मंत्री और वरिष्ठ विधायक पार्टी छोड़कर सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) में शामिल हो गए हैं।

पलानीस्वामी नौ जुलाई तक तिरुपत्तूर, रानीपेट, तिरुवल्लूर, धर्मपुरी, कृष्णगिरि, इरोड, वेल्लोर और तिरुचिरापल्ली जिला इकाइयों के पदाधिकारियों के साथ बातचीत करेंगे।

करूर भगदड़ : गवाहों को प्रभावित करने के आरोपों वाली द्रमुक की याचिका पर आज सुनवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को सहमति जताई कि वह पिछले साल तमिलनाडु के करूर में हुई भगदड़ की घटना के मामले में राज्य के मंत्रियों द्वारा गवाहों को सक्रिय रूप से ''प्रभावित करने'' के आरोपों वाली द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की याचिका को सात जुलाई को सूचीबद्ध करेगा। द्रमुक सचिव आरएस भारती की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील हुजेफा अहमदी द्वारा मामले में तत्काल सुनवाई का अनुरोध किए जाने के बाद न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति शील नागू की आंशिक कार्यदिवस पीठ ने याचिका मंगलवार को सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई।

याचिका में यह भी मांग की गई है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय, राज्य के मंत्री आधव अर्जुन और मामले में आरोपी अन्य लोगों को इस मामले पर सार्वजनिक बयान देने से रोका जाए तथा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा की जा रही जांच के लंबित रहने के दौरान पीड़ितों के परिवारों के साथ उनकी बातचीत को नियंत्रित किया जाए। अहमदी ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार के मंत्री गवाहों को सक्रिय रूप से ''प्रभावित'' कर रहे हैं और आशंका जताई कि पीड़ितों के परिवारों से मिलने के लिए 10 जुलाई को करूर का विजय का प्रस्तावित दौरा जांच को प्रभावित कर सकता है।

अहमदी ने कहा, ''अदालत ने सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। अब, कुछ आरोपी जो मौजूदा सरकार में मंत्री हैं, गवाहों को सक्रिय रूप से प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। हमने एक अर्जी दाखिल की है।'' पीठ ने कहा, ''हम कल इस पर सुनवाई करेंगे।'' याचिका में उन रिपोर्ट का जिक्र किया गया है जिनके अनुसार मुख्यमंत्री भगदड़ की घटना में मारे गए लोगों और घायलों के परिवारों को शासकीय आदेश, अनुकंपा के आधार पर नौकरी एवं अन्य लाभ सौंपने के लिए करूर का दौरा करने वाले हैं। लंबित मामले में खुद को पक्षकार बनाए जाने का अनुरोध करते हुए भारती ने कहा कि इस मामले में जिन लोगों के खिलाफ शुरुआत में आरोपपत्र दायर किए गए थे, वे अब 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद राज्य मंत्रिमंडल में मंत्री बन चुके हैं।

याचिका में 'तमिलगा वेत्री कषगम' (टीवीके) विधायक आधव अर्जुन के पिछले हफ्ते दिए गए कथित सार्वजनिक बयान का भी जिक्र किया गया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि करूर की घटना का ''हिसाब चुकता करना'' बाकी है और पिछली द्रमुक सरकार पर आरोप लगाया था कि उसने पुलिस के माध्यम से करूर के लोगों की ''हत्या'' करवाई। याचिका में सीबीआई को अर्जुन के बयानों के खिलाफ शिकायत दर्ज करने और कार्रवाई करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। याचिका में आरोप लगाया गया था कि ये बयान गवाहों को प्रभावित करने, सबूतों से छेड़छाड़ करने और जांच में ''बाधा डालने'' के समान हैं।

याचिका में दलील दी गई है कि जो घटना जांच के दायरे में है, उसकी जांच के विषय से जुड़े लोगों या राजनीतिक व्यक्तियों द्वारा घटना से संबंधित लाभ वितरित करते हुए, महत्वपूर्ण गवाहों से सीधे संपर्क करना, जांच की निष्पक्षता एवं स्वतंत्रता को लेकर संदेह या आशंका पैदा कर सकता है। पिछले साल 13 अक्टूबर को उच्चतम न्यायालय ने भगदड़ की घटना की सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। अदालत ने कहा कि इस घटना ने देश को झकझोर कर रख दिया और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। भगदड़ की इस घटना में 41 लोगों की मौत हो गई थी।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम' (टीवीके) की स्वतंत्र जांच के अनुरोध वाली याचिका पर आदेश देते हुए शीर्ष अदालत ने सीबीआई जांच की निगरानी के लिए अपने पूर्व न्यायाधीश अजय रस्तोगी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय एक निगरानी समिति भी गठित की थी। विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन और एकल सदस्यीय जांच आयोग की नियुक्ति से संबंधित तमिलनाडु सरकार के निर्देशों पर रोक लगाते हुए शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार से कहा था कि वह केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों को पूरा सहयोग दे। इससे पूर्व पुलिस ने कहा था कि रैली में लगभग 27,000 लोग शामिल हुए थे जो उम्मीद से कहीं अधिक (करीब तीन गुना) थे और इस हादसे के लिए विजय के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने में हुई सात घंटे की देरी को जिम्मेदार ठहराया था।

समीक्षा बैठक — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में सोमवार को सचिवालय में मुख्यमंत्री एस जोसफ विजय ने वाणिज्यिक कर और पंजीकरण विभाग की योजनाओं और गतिविधियों पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

टीवीके विधायक को रिश्वत देने का मामला : पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी को चेन्नई पुलिस ने तलब किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी के सोमवार को चेन्नई पुलिस के समक्ष पूछताछ के लिए पेश होने की संभावना है। उनसे मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली टीवीके सरकार को अस्थिर करने की कथित साजिश के सिलसिले में पूछताछ की जाएगी। यह घटनाक्रम उन आरोपों की जांच के बाद सामने आया है, जिनमें दावा किया गया था कि राज्य सरकार को गिराने के उद्देश्य से विधायकों को भारी धनराशि का लालच देकर अपने पक्ष में करने की कोशिश की गई। यह मामला तब प्रकाश में आया, जब कृष्णागिरि जिले की उथंगरई विधानसभा सीट से टीवीके विधायक डॉ. इलैयाराजा ने चेन्नई पुलिस आयुक्त अमलराज से शिकायत की। अपनी शिकायत में विधायक ने आरोप लगाया कि सरकार गिराने की बड़ी साजिश के तहत उन्हें राजनीतिक निष्ठा बदलने के बदले 35 करोड़ रुपये की पेशकश की गई थी।

शिकायत के आधार पर पुलिस की एक विशेष टीम ने जांच शुरू की और बाद में कथित साजिश से जुड़े कई लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में चुनावी सर्वेक्षण संस्था आईपीडीएस के संस्थापक तिरुनावुक्करासु, थियागराजन और नरेश शामिल हैं, जिन्हें सेंथिल बालाजी का करीबी सहयोगी बताया जा रहा है। इसके अलावा करूर के डीएमके पदाधिकारी रमेश, कार्ति और सेल्वन, मनापक्कम के एआईएडीएमके पदाधिकारी श्रीनिवासन और अस्तीनापुरम के राजेश को भी गिरफ्तार किया गया है। जांच से जुड़े सूत्रों के अनुसार, आरोपियों ने पूछताछ के दौरान पुलिस को बताया कि टीवीके विधायकों को दल बदलने के लिए कथित तौर पर करीब 180 करोड़ रुपये खर्च करने की व्यापक योजना बनाई गई थी। जांचकर्ता इस दावे की भी पड़ताल कर रहे हैं कि यह पूरी कार्रवाई कथित रूप से सेंथिल बालाजी और उनके भाई अशोक कुमार के निर्देश पर की गई। इन घटनाक्रमों के बाद त्रिप्लिकेन पुलिस ने सेंथिल बालाजी और अशोक कुमार को सोमवार सुबह 10:30 बजे पूछताछ के लिए जांच अधिकारियों के समक्ष उपस्थित होने का समन जारी किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह समन चल रही जांच के तहत जारी किया गया है और दोनों से जांच में सहयोग करने की अपेक्षा की गई है। अधिकारियों ने संकेत दिया कि यदि दोनों में से कोई भी बिना किसी वैध कारण के जांच दल के समक्ष उपस्थित नहीं होता है, तो कानून के अनुसार उसके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

इस बीच, जांच पूरी होने तक दोनों को देश छोड़ने से रोकने के लिए पुलिस ने देशभर के हवाई अड्डों पर लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया है। सुरक्षा एजेंसियों को भी सतर्क कर दिया गया है और एहतियात के तौर पर हवाई अड्डों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। कथित 'कैश फॉर डिफेक्शन' (धन देकर दल बदल कराने) की साजिश की जांच जारी है और आने वाले दिनों में पुलिस अन्य संदिग्धों से भी पूछताछ कर सकती है।

राजग नेताओं ने एसआईआर में बड़े पैमाने पर 'अनियमितता' का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) वी. अंबुकुमार को एक औपचारिक शिकायत सौंपकर राज्य में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितता' बरते जाने का आरोप लगाया। शिकायत में सभी गणना प्रपत्रों की तत्काल जांच तथा घर-घर जाकर अनिवार्य रूप से दोबारा सत्यापन करने की मांग की गई है। उन्होंने इन अनियमितताओं' के लिए जिम्मेदार पाए जाने वाले सभी अधिकारियों और राजनीतिक पदाधिकारियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की भी मांग की।

केंद्रीय मंत्री और जनता दल (सेक्युलर) नेता एच.डी. कुमारस्वामी, भाजपा के केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और शोभा करंदलाजे, कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक और कर्नाटक विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष चलवादी नारायणस्वामी तथा दोनों पार्टियों के वरिष्ठ नेताओं वाले इस प्रतिनिधिमंडल ने सीईओ अंबुकुमार से मुलाकात करके उन्हें शिकायत सौंपी। नेताओं ने पत्र में लिखा, ''हम कर्नाटक राज्य में मतदाता सूची के एसआईआर से जुड़े कार्य में बड़े पैमाने पर अनियमितता बरते जाने पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए यह पत्र लिख रहे हैं। एसआईआर करने वाले अधिकारी स्वीकृत प्रक्रिया की बिल्कुल भी परवाह नहीं कर रहे हैं, जिससे लोकतंत्र की मूल भावना कमजोर हो रही है।''

उन्होंने कहा कि जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशों के तहत, बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) को एसआईआर दिशानिर्देश के अनुसार घर-घर जाकर जरूरी सत्यापन करना होता है और हर घर के सदस्यों की पहचान की व्यक्तिगत रूप से पुष्टि करनी होती है, लेकिन जमीनी स्तर पर ऐसा नहीं हो रहा है। नेताओ ने पत्र में लिखा कि इसके सबूत सोशल मीडिया पर साझा किए गए हैं और मुख्यधारा की मीडिया ने भी इसे दिखाया है।

उन्होंने आगे कहा कि राज्य के कई अन्य हिस्सों से भी ऐसी कई शिकायतें मिल रही हैं। राजग नेताओं ने आरोप लगाया कि कम्युनिटी हॉल, मस्जिदों और बीएलओ के घरों में बैठकर गणना प्रपत्र भरे जा रहे हैं और इसके लिए व्हाट्सएप पर ग्रुप भी बनाए गए हैं। इन नेताओं ने आरोप लगाया कि लोगों को एसआईआर प्रक्रिया के लिए इन कम्युनिटी हॉल और मस्जिदों में जाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

प्रतिनिधिमंडल के अनुसार, इससे एक 'अस्थिर और अविश्वसनीय' मतदाता सूची तैयार होगी। राजग गठबंधन के सहयोगियों ने सीईओ से तुरंत जांच का आदेश देने और अनिवार्य रूप से घर-घर जाकर सत्यापन के ज़रिए सभी गणना प्रपत्रों का दोबारा सत्यापन कराने का निर्देश देने की मांग की।

पिछले कुछ दिनों में विपक्षी दलों ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर बड़े पैमाने पर नामांकन शिविर लगाकर मतदाता सूची में अवैध प्रवासियों' को शामिल करने में मदद करने का आरोप लगाया है। उन्होंने ऐसे वीडियो भी जारी किए थे जिनमें बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर जानकारी जुटाने के बजाय बड़े पैमाने पर नामांकन शिविर लगाए जाने के दावे किए गए हैं। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर अधिकारियों का 'गलत इस्तेमाल' करने और एसआईआर प्रक्रिया को 'कमजोर' करने का भी आरोप लगाया।

'राम के नाम का सत्ता और धन के लिए इस्तेमाल'

बेंगलूरु। राम मंदिर दान प्रकरण के बाद कर्नाटक सरकार में मंत्री और कांग्रेस नेता प्रियांक खरगे ने सोमवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला। खरगे ने दावा किया कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों को बचाने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस नेता प्रियांक खरगे ने सोमवार को अपने बयान में भाजपा और आरएसएस पर राजनीतिक सत्ता और आर्थिक लाभ के लिए भगवान राम के नाम का 'इस्तेमाल' करने का आरोप लगाया। खरगे ने कहा, भाजपा और प्रधानमंत्री ने अपनी पूरी राजनीतिक पहचान राम मंदिर के इर्द-गिर्द बनाई है, जबकि आरएसएस ने भी 1990 के दशक से राम जन्मभूमि आंदोलन से अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता हासिल की है। मंदिर के चढ़ावे की कथित चोरी को लेकर खरगे ने दावा किया कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों को बचाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि संयम बरतने की आरएसएस की अपील असल में लोगों को इस घटना पर सवाल उठाने से रोकने की कोशिश थी और इससे संगठन का असली चेहरा सामने आ गया है।

मंत्री ने आगे कहा कि आरएसएस अपनी मौजूदा राजनीतिक ताकत के कारण जनता की नजर से दूर रहना चाहती है। चोरी में कथित तौर पर शामिल लोगों का बचाव करना न सिर्फ राजनीतिक अवसरवाद को दर्शाता है, बल्कि लाखों भक्तों की आस्था का अपमान भी है।

खरगे ने कहा, पिछले तीन दशकों से लोगों को जो शक था, वह अब साफ हो गया है। भाजपा और आरएसएस के लिए राम मंदिर कभी भी आस्था या भक्ति का विषय नहीं था। यह केवल सत्ता और धन हासिल करने का एक जरिया था।

ओणम के लिए 100 से अधिक विशेष ट्रेनें होंगी संचालित : अश्विनी वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिणी रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार रेल, सूचना एवं प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए घोषणा की कि रेल मंत्रालय आगामी ओणम त्योहार के दौरान यात्रा करने वाले यात्रियों के लाभ के लिए शीघ्र ही 100 से अधिक विशेष ट्रेन सेवाओं की अधिसूचना जारी करेगा, जिसे पूरे केरल में व्यापक रूप से मनाया जाता है। उन्होंने ने कहा कि यह पहल केरल के लोगों को उनके गृह नगर तक पहुंचने में मदद करने के लिए मंत्रालय की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

वर्ष 2026 में, दस दिवसीय ओणम उत्सव 16 अगस्त से शुरू होकर तिरुवोनम के शुभ दिन 26 अगस्त को समाप्त होगा। इस दौरान पूरे महीने उत्सव और पर्यटन गतिविधियां जारी रहेंगी। यात्रियों की संभावित बढ़ती मांग को देखते हुए, ओणम उत्सव की अवधि के दौरान विशेष ट्रेन सेवाएं संचालित करने की योजना है। ओणम 2026 के लिए 100 से अधिक विशेष ट्रेन सेवाओं की घोषणा पिछले वर्ष की तुलना में क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाती है, जो केरल के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक के दौरान यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और आरामदायक यात्रा प्रदान करने के लिए रेल मंत्रालय की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। यह केरल में रेलवे नेटवर्क के विकास के लिए प्रधानमंत्री की योजना के अनुरूप है।

मुलाकात — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में सोमवार को सचिवालय में चेटीनाड समूह के अध्यक्ष डॉ. एमएमएमआर मुथिया ने मुख्यमंत्री एस जोसफ विजय से मुलाकात कर उन्हें मुख्यमंत्री सामान्य राहत कोष के लिए 3 करोड़ रुपए का चेक सौंपा।

चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे गुकेश सहित कई स्टार खिलाड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। विश्व चैंपियन डी गुकेश, अर्जुन एरिगेसी और पूर्व विश्व रैपिड चैंपियन नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव उन स्टार खिलाड़ियों में शामिल हैं जो 16 से 22 जुलाई तक यहां आयोजित होने वाले चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स के चौथे सत्र में हिस्सा लेंगे। इस 75 लाख रुपये इनामी राशि वाले टूर्नामेंट से महत्वपूर्ण फिडे सर्किट अंक भी मिलेंगे जो अगले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश में जुटे खिलाड़ियों के लिए अहम होंगे।

प्रतियोगिता में दो बार के ग्रैंड चेस टूर चैंपियन अलीरेजा फिरोजा, 2026 बुलेट चेस चैंपियन निहाल सरीन, पूर्व कैंडिडेट्स चैलेंजर

दिमित्री आंद्रेकिन, अमेरिकी ग्रैंडमास्टर हेन्स नीमैन और पिछले साल के चैलेंजर्स चैंपियन प्रणेश एम भी खेलते हुए नजर आएंगे। पहली बार टूर्नामेंट में 'ओपनिंग मूव्स फोटोस्लॉट' टिकट पेश किया जाएगा जिससे प्रशंसकों को अपने फोन और कैमरे के साथ टूर्नामेंट हॉल में जाने और दुनिया के कुछ सबसे बड़े स्टार शतरंज खिलाड़ियों की तस्वीरें और वीडियो लेने का खास मौका मिलेगा।

बगैर हेडलाइट चल रही रोडवेज बस का वीडियो वायरल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी/भाषा। सोशल मीडिया पर वायरल एक कथित वीडियो में कर्नाटक की एक रोडवेज बस बिना हेडलाइट के चलती दिख रही है और बस का स्टाफ स्थिति को संभालने के लिए मोबाइल फोन की 'टॉर्चलाइट' का इस्तेमाल कर रहा है। इस वीडियो के सामने आने के बाद से यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। बस चालक समेत तीन कर्मचारियों को ड्यूटी में लापरवाही बरतने के कारण निलंबित कर दिया गया है।

इस कथित वीडियो में कल्याण कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केकेआरटीसी) की बस कलबुर्गी-चिंचोली मार्ग पर रात के समय घने अंधेरे में चलती दिख रही है और उसकी हेडलाइट खराब है। वीडियो में दिख रहा है कि चालक बस चला रहा है और परिचालक सामने की सड़क पर रोशनी करने के लिए मोबाइल फोन की टॉर्चलाइट का इस्तेमाल कर रहा है, जिससे कथित तौर पर यात्रियों की सुरक्षा खतरे में पड़ गयी थी।

बताया जा रहा है कि यह घटना शनिवार रात की है। केकेआरटीसी के कलबुर्गी संभाग-एक के संभागीय नियंत्रक एस.जी. गंगाधर ने बताया कि चार जुलाई को हुई घटना के सिलसिले में बस चालक समेत तीन कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है। उनके अनुसार, चार जुलाई को चिंचोली-कलबुर्गी मार्ग पर चलने वाली बस (केए 28 एफ-1985) की हेडलाइट धीमी होने के कारण उसे मोबाइल की 'टॉर्चलाइट' की मदद से चलाया गया। इस मामले में अधिकारियों ने चिंचोली इकाई का दौरा किया और जांच रिपोर्ट सौंपी। उन्होंने एक बयान में कहा, ''इसके चलते ड्यूटी में लापरवाही बरतने के कारण तकनीकी स्टाफ शिवानंद , तकनीकी पर्यवेक्षक बसवराज और चालक आकाश को निलंबित कर दिया गया है।

डिजिटल पेमेंट से पारदर्शी हुई भुगतान प्रणाली : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि छोटे-छोटे प्रयास करते हुए बहुत बड़ा काम किया जा सकता है। 'सहकार से समृद्धि' की सोच के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2021 में सहकारिता मंत्रालय बनाया और सहकारिता क्षेत्र को प्राणवायु प्रदान की। जिससे देश के कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आए। रोडमैप बनाकर सहकारी क्षेत्र में मौजूद रिक्तता को भरने का काम किया गया। साथ ही, सहकारी व्यवस्था को तकनीक रूप से सक्षम एवं पारदर्शी बनाया गया। उन्होंने कहा कि पैक्स (प्राथमिक कृषि ऋण समिति) को तकनीक आधारित बनाते हुए ई-पैक्स विकसित किए गए हैं, जिसके जरिए कार्य एवं अंकेक्षण आसान हो गया है। वहीं, डिजिटल पेमेंट सिस्टम से भुगतान प्रणाली में पारदर्शिता आई है।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह सहकारिता मंत्रालय के 5वें स्थापना दिवस पर नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सहकारिता से ग्रामीणों, किसानों, पशुपालकों एवं महिलाओं को आर्थिक संबल मिलने के साथ ही सामाजिक सुरक्षा का दायरा भी बढ़ा है। उन्होंने देश के किसानों से ऑर्गेनिक खेती को ज्यादा से ज्यादा अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि भूमि के संरक्षण की जिम्मेदारी भी हमारी है। केमिकल और फर्टिलाइजर से उत्पादन बढ़ने की बजाय जमीन की उर्वरता को नुकसान होता है।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर नमन करते हुए कहा कि उन्हीं की राष्ट्रवादी सोच के कारण कश्मीर, असम और प. बंगाल आज भारत का हिस्सा हैं। उन्होंने देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान के खिलाफ आंदोलन शुरू किया था। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने धारा 370 हटाकर उनका सपना पूरा किया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सहकारिता के क्षेत्र में देश में अभूतपूर्व कार्य हो रहा है। 'सहकार से समृद्धि' के मंत्र के साथ सहकारिता देश के करोड़ों किसानों, पशुपालकों, महिलाओं, युवाओं और ग्रामीण भारत के आर्थिक सशक्तीकरण का माध्यम बन गई है।

उन्होंने सहकारिता के क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे नवाचारों और उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि सहकारिता आंदोलन राजस्थान के हर गांव-ढाणी तक पहुंच गया है। राज्य में लगभग 42 हजार से अधिक सहकारी समितियां हैं, जिनसे एक करोड़ 35 लाख से अधिक सदस्य जुड़े हुए हैं। वहीं, सहकार सदस्यता अभियान के तहत 8 लाख 90 हजार नवीन सदस्य सहकारी समितियों में जोड़े गए हैं। साथ ही, सभी ग्राम पंचायतों में सहकारी समितियों के गठन का लक्ष्य तय किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश का डेयरी सहकारिता मॉडल लाखों पशुपालक परिवारों के लिए आर्थिक संबल का आधार बन चुका है। डबल इंजन की सरकार के प्रयासों से प्रदेश में घाटे में चल रहे डेयरी संघ मुनाफे में आ गये हैं। वहीं, 10 हजार करोड़ का रिकॉर्ड टर्नओवर भी हासिल किया गया है। आरसीडीएफ व जिला दुग्ध संघों के कुल लाभ और टर्नओवर पिछले 47 वर्षों के इतिहास में सर्वाधिक है।

उन्होंने कहा कि सहकारिता से महिला सशक्तीकरण और ग्रामीण आत्मनिर्भरता दोनों लक्ष्यों को साधा जा रहा है। राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन तथा जिला दुग्ध संघों से 9 लाख 40 हजार दुग्ध उत्पादक सदस्य जुड़े हुए हैं, जिनमें 4 लाख 20 हजार से अधिक महिलाएं हैं। प्रदेश में हजारों नए दुग्ध संग्रह केन्द्र प्रारम्भ किए गए, नई दुग्ध उत्पादक समितियों का गठन हुआ और हजारों नए पशुपालक इस आंदोलन से जुड़े हैं। इससे दूध उत्पादन, किसानों की आय बढ़ने के साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिली है। प्रदेश का दुग्ध संकलन 38 लाख लीटर से बढ़कर 45 लाख लीटर तक पहुंच गया है। दुग्ध सहकारिता से जुड़े नये सदस्यों की संख्या में 70 प्रतिशत की अभूतपूर्व बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने सहकारिता को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए पैक्स कम्प्यूटरीकरण अभियान को भी नई गति दी है। प्रथम चरण में 5 हजार 646 पैक्स को ई-पैक्स बनाया जा चुका है। इनके माध्यम से 10 करोड़ से अधिक ऑनलाइन लेनदेन हुए हैं, जो पूरे देश के कुल ट्रांजेक्शन का लगभग एक तिहाई है और देश में सबसे ज्यादा हैं। प्रदेश की लगभग 4 हजार 875 पैक्स तीन या उससे अधिक व्यावसायिक गतिविधियां संचालित कर रही हैं। इनके माध्यम से कॉमन सर्विस सेंटर, प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र, किसान उत्पादक संगठन और जन औषधि केंद्र जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच रही हैं।

राजधानी जयपुर सहित अनेक इलाकों में जोरदार बारिश

जयपुर। दक्षिण पश्चिम मानसून के असर से राजस्थान की राजधानी जयपुर सहित अनेक जिलों में जोरदार बारिश हुई है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में बारिश का दौर इस सप्ताह भी जारी रहेगा। इसके अनुसार, सोमवार सुबह तक चौबीस घंटे में राज्य में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा व कहीं-कहीं पर भारी व बारिश हुई। सबसे अधिक 75.0 मिलीमीटर बारिश श्रीमाधोपुर (सीकर) में दर्ज की गई। राजधानी जयपुर में इस दौरान 40 मिलीमीटर तक बारिश हुई।

इसके अलावा उदयपुर, झालावाड़, बारां व सिरोही सहित अनेक जिलों में जोरदार बारिश हुई। मौसम केंद्र के अनुसार राज्य के जयपुर, भरतपुर, कोटा, उदयपुर, अजमेर संभाग के कुछ भागों में आगामी 5-7 दिन मानसून सक्रिय रहने व अधिकांश भागों में बारिश होने की उम्मीद है। राज्य में छह से नौ जुलाई के दौरान दक्षिण-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं भारी, अतिभारी बारिश होने की संभावना है। इसी तरह पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बीकानेर संभाग के कुछ भागों में आगामी दिनों में मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने व 7-8 जुलाई को कहीं-कहीं भारी बारिश होने का अनुमान है।

स्त्री रोग विशेषज्ञ वीणा आचार्य को चिकित्सा रत्न सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर के राजस्थान अस्पताल की वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. वीणा आचार्य को महिलाओं के स्वास्थ्य के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की दक्षिण दिल्ली शाखा ने 'चिकित्सा रत्न सम्मान' से सम्मानित किया है। अधिकारियों ने बताया कि यह सम्मान नयी दिल्ली स्थित एम्स में आयोजित 'डॉक्टर्स डे सेलिब्रेशन एंड अवॉर्ड्स-2026' समारोह के दौरान प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि डॉ. आचार्य को चिकित्सा क्षेत्र में उनकी उत्कृष्ट सेवाओं, मरीजों के प्रति संवेदनशील देखभाल तथा चिकित्सा पेशे में महत्वपूर्ण योगदान के लिए यह सम्मान दिया गया।

विज्ञप्ति के अनुसार, जयपुर के महिला चिकित्सालय की पूर्व अधीक्षक रह चुकीं डॉ. आचार्य को महिलाओं में कैंसर की रोकथाम के क्षेत्र में उनके कार्यों के लिए व्यापक पहचान मिली है। उनके प्रमुख योगदानों में कैंसर की समय पर पहचान, एचपीवी टीकाकरण को बढ़ावा देना तथा राष्ट्रीय स्तर पर जनजागरूकता अभियान चलाना शामिल है।

राष्ट्र की एकता, अखंडता और जनसेवा के लिए समर्पित रहा डॉ. मुखर्जी का संपूर्ण जीवन : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक एवं शिक्षाविद डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के चार प्रमुख पार्कों का नाम उनके नाम पर करने एवं उनके आदर्शों को समर्पित स्मारक स्थापित करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि जयपुर स्थित वुडलैंड पार्क, जोधपुर के विवेक विहार स्थित सेंट्रल पार्क, कोटा के रामचंद्रपुरा अटवाल नगर स्थित पार्क तथा उदयपुर की सेक्टर-12 योजना स्थित पार्क का नामकरण डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर किया जाएगा। साथ ही, इन सभी स्थानों पर राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को प्रदर्शित करने वाले स्मारक भी स्थापित किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ एकता, अखंडता और जनसेवा के लिए समर्पित रहा। उनके विचार, त्याग और राष्ट्रभक्ति आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। ऐसे में यह पहल भावी पीढ़ियों को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों से प्रेरणा देने का एक विनम्र प्रयास है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान करते हुए कहा कि वे उनके आदर्शों और संकल्पों को आत्मसात करते हुए विकसित भारत और विकसित राजस्थान के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

रिफाइनरी उद्घाटन समारोह बना जनसहभागिता का उत्सव : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रभावी मॉनिटरिंग एवं सतत प्रयासों से राजस्थान रिफाइनरी उद्घाटन समारोह ने जनसहभागिता और डिजिटल कनेक्टिविटी के नए आयाम स्थापित किये हैं। इस अवसर पर राजस्थान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति विशेष उत्साह देखने को मिला। 53 लाख से अधिक प्रदेशवासी वर्चुअल माध्यम से जुड़कर इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को प्रदेश को 1 लाख 5 हजार करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात दी, जो प्रदेश की प्रगति को नई दिशा प्रदान करेगी। इस ऐतिहासिक अवसर ने राजस्थान को विकास की नई उचाईयों की ओर अग्रसर करने के संकल्प को और मजबूत किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में शनिवार को बालोतरा के पचपदरा में आयोजित मुख्य समारोह का सीधा प्रसारण व्यापक स्तर पर सुनिश्चित किया गया। इस आयोजन को प्रदेशभर की 12 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों, पंचायत समितियों, जिला मुख्यालयों सहित समस्त नगर पालिका, नगर परिषद एवं नगर निगम मुख्यालयों से जोड़ा गया। वर्चुअल माध्यम से जनप्रतिनिधियों, नवनियुक्त राजकीय कार्मिकों सहित 53 लाख से अधिक प्रदेशवासियों ने जुड़कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ओजस्वी भाषण सुना एवं समारोह में अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज करवाई। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने इस कार्यक्रम में आमजन की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए ग्राम पंचायत से लेकर जिला मुख्यालय तक वर्चुअल माध्यम से समारोह का प्रसारण करने के निर्देश दिये थे, जिसके परिणाम स्वरूप जन-जन का उत्सव बन सका।

वन राज्यमंत्री ने आपराधिक घटनाओं के पीड़ितों से मिलकर पूछी कुशलक्षेम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने अलवर में विगत दिनों हुई आपराधिक घटनाओं के पीडितों से मुलाकत कर उनकी कुशलक्षेम पूछी और विश्वास दिलाया कि अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर उन्हें कड़ी सजा दिलाई जाएगी। वन राज्यमंत्री शर्मा ने अलवर शहर के शालीमार नगर में डकैती पीड़ित परिवार के परिजनों से उनके निवास पर जाकर मिलकर उन्होंने परिजनों को संबल दिया। उन्होंने कहा कि यह उनका नैतिक दायित्व है कि प्रत्येक नागरिक व परिवार सुरक्षित रहे। इस घटना की जानकारी मिलते ही तुरन्त पुलिस को अपराधियों को जल्द से जल्द से गिरफ्तार कर उन्हें कड़ी सजा दिलवाने के लिए निर्देशित कर दिया था। उन्होंने मौके पर उपस्थित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक से पुलिस द्वारा की जा रही कार्रवाई का फीडबैक लेकर निर्देश दिये कि अपराधियों को जल्द से जल्द से गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा दिलाए, ताकि अपराधियों में डर और आमजन में विश्वास बना रहे। इसके उपरान्त वन राज्यमंत्री ने आपराधिक घटना में घायल प्रथम मुखीजा से हरीश हॉस्टिपल में मिलकर उनकी कुशलक्षेम पूछी तथा उन्हें त्वरित न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सरकार कृतसंकल्पित है। कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाले व्यक्तियों से सख्ती निपटा जाएगा। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर सहित जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु प्रभावी मॉनिटरिंग के साथ नियमित रूप से गश्त की जावे। उन्होंने निर्देश दिये कि आपराधिक घटनाओं के पीड़ितो को त्वरित न्याय दिलाने हेतु अपराधियों की धरपकड़ कर उन्हें सख्त से सख्त सजा दिलाई जावे।

वन राज्यमंत्री ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रृद्धांजलि अर्पित कर किया नमन

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने सोमवार को टेल्को सर्किल स्थित सांई मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस दौरान उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत कर उन्हें श्रृद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया।

वन राज्यमंत्री शर्मा ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का व्यक्तित्व प्रेरणादायी रहने के साथ-साथ उनका जीवन राष्ट्रीय भावना के निर्माण के समर्पित रहा है। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देशभक्ति की भावना के साथ प्रखर राजनीतिज्ञ के रूप में कार्य करते हुए देश को आगे ले जाने का काम किया है।

युवा पीढ़ी को इनके जीवन से प्रेरणा लेकर देशभक्ति के प्रति संकल्पित भावना से कार्य करना चाहिए।

'पर्यटकों और श्रद्धालुओं को उपलब्ध होगी बेहतर सुविधाएं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के अंतर्गत आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए 50 लाख राशि की प्रशासनिक स्वीकृति जारी की गई है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा ने बताया की आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र के गलता तीर्थ संरक्षण हेतु सिविल मरम्मत एवं संरक्षण कार्य के लिए 50 लाख राशि की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस कार्य का क्रियान्वयन पर्यटन विभाग के माध्यम से आमेर विकास एवं प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा।

यह स्वीकृति सांसद श्रीमती मंजू शर्मा की अनुशंसा पर जारी की गई है। प्रशासनिक स्वीकृति जारी होने के साथ ही निर्धारित नियमों एवं तकनीकी स्वीकृति के अनुरूप कार्यवाही पूर्ण कर विकास कार्य प्रारंभ किए जाएंगे। इस कार्य के पूर्ण होने से गलता तीर्थ सरोवर के संरक्षण एवं आधारभूत सुविधाओं के विकास को गति मिलेगी तथा श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

राजस्थान में गंभीर अपराधों में 4.65प्रतिशत की कमी, प्रश्नपत्र लीक पर लगी लगाम : डीजीपी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार शर्मा ने सोमवार को दावा किया कि इस साल की पहली छमाही में गंभीर अपराधों में तुलनात्मक रूप से 4.65प्रतिशत की कमी आई जबकि प्रश्नपत्र लीक जैसे मामलों पर लगाम रही। शर्मा ने बीते छह माह की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए स्पष्ट किया कि अब राजस्थान पुलिस केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई तक सीमित नहीं रहेगी बल्कि अपराध की रोकथाम, अपराधियों की आर्थिक कमर तोड़ने और तकनीक आधारित 'स्मार्ट पुलिसिंग' को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

उन्होंने यहां प्रेसवार्ता में कहा कि राजस्थान पुलिस ने अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था और तकनीक आधारित पुलिस व्यवस्था के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि इस दौरान गंभीर अपराधों में उल्लेखनीय गिरावट आयी और प्रश्नपत्र लीक माफिया पर प्रभावी कार्रवाई की गई तथा नशा तस्करों और संगठित अपराध के खिलाफ सख्त अभियान भी चलाए गए। शर्मा ने बताया कि पुलिस की सजगता के चलते 2025 की पहली छमाही की तुलना में 2026 की समान अवधि में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत दर्ज अपराधों में 4.65 प्रतिशत की गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि 2025 की पहली छमाही में 99272 मामले दर्ज हुए थे जबकि 2026 की इस अवधि में यह संख्या घटकर 94652 रह गई है। शर्मा ने स्पष्ट किया कि राज्य में अपराध के लगभग सभी मुख्य खंडों में बड़ी कमी आयी। उन्होंने कहा कि आलोच्य अवधि में पिछले साल की तुलना में हत्या के मामलों में 4.41 प्रतिशत (703 से घटकर 672), हत्या के प्रयास में 11.17 प्रतिशत (1288 से घटकर 1145), डकैती में 16.28 प्रतिशत (43 से घटकर 36) और लूट की वारदातों में 19.93 प्रतिशत (577 से घटकर 462 प्रकरण) की भारी गिरावट आई है।

पुलिस महानिदेशक ने कहा कि इसी तरह अपहरण के मामलों में 4.72 प्रतिशत (5211 से घटकर 4965 प्रकरण), बालिग दुष्कर्म के मामलों में 13.36 प्रतिशत (2088 से घटकर 1809) तथा पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज होने वाले मुकदमों में 20.90 प्रतिशत की कमी (1651 से घटकर 1306) आयी।

शर्मा के अनुसार कमजोर वर्गों की सुरक्षा पर भी एससी/एसटी एक्ट के तहत दर्ज मामलों में समग्र रूप से 18.81 प्रतिशत (3121 से घटकर 2534 प्रकरण) की कमी आई है ।

नशे और अवैध हथियारों के सौदागरों के खिलाफ चलाए गए अभियान की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि इस अवधि में आबकारी अधिनियम में 2.06 प्रतिशत (24,310 से 24,811), हथियार अधिनियम में 4.23प्रतिशत (6,428 से 6,700) तथा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में रिकॉर्ड 29.94 प्रतिशत की बढ़ोतरी करते हुए कुल 7,195 मामले दर्ज कर नशे के बड़े गिरोहों को नेस्तनाबूद गया है।

महिला सुरक्षा को लेकर पुलिस महानिदेशक ने बताया कि समान अवधि में महिलाओं से छेड़छाड़ के मामलों में 6.44 प्रतिशत की कमी (5407 से घटकर 5059), दुष्कर्म के प्रकरणों में 13.36 प्रतिशत की कमी (2088 से घटकर 1809 प्रकरण) हुई है तथा पोक्सो के प्रकरणों में 20.90 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान पुलिस ने 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे नए साइबर अपराधों पर भी प्रभावी कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि 2023 से जून 2026 तक कुल 136 प्रकरण दर्ज किए गए, जिनमें 174 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया तथा 52.23 करोड़ रुपये से अधिक की राशि होल्ड की गई।

विवादों का समयबद्ध निस्तारण राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम : मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सुधार संबंधी विचारों को ठोस और मापनीय परिणामों में बदलने का आह्वान करते हुए कहा कि विवादों का समयबद्ध निस्तारण राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मेघवाल ने माउंट आबू में आयोजित दो दिवसीय 'रिफॉर्म्स उत्सव एवं चिंतन शिविर-2026' के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि न्याय मिलने में देरी से देश के बहुमूल्य संसाधन अवरुद्ध हो जाते हैं और आर्थिक प्रगति भी प्रभावित होती है।

उन्होंने कहा, समय पर विवादों का समाधान राष्ट्र निर्माण का अभिन्न अंग है। न्याय में देरी न केवल नागरिकों को प्रभावित करती है, बल्कि आर्थिक विकास की गति भी धीमी कर देती है। उन्होंने अधिकारियों से परिणामोन्मुखी दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया। विधि एवं न्याय मंत्रालय के विधि कार्य विभाग और विधायी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम का समापन 'माउंट आबू घोषणा' को अपनाने के साथ हुआ। इस घोषणा में वर्ष 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप प्रौद्योगिकी आधारित और नागरिक-केंद्रित विधिक व्यवस्था विकसित करने के लिए सुधारों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी को बंगाल के हर घर में मिलेगा स मान : मुख्यमंत्री शुभेंदु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सोमवार को कहा कि जिस सम्मान के साथ राज्य के सभी स्कूलों में 'वंदे मातरम' गाया जाता है, डॉ. मुखर्जी को भी बंगाल के हर घर में उसी सम्मान के साथ याद किया जाएगा। शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकारों ने डॉ. मुखर्जी के देश के प्रति योगदान को लोगों के सामने नहीं रखा। उन्होंने

दावा किया कि डॉ. मुखर्जी की मुख्य भूमिका के कारण ही पश्चिम बंगाल भारत का हिस्सा बना।

उन्होंने कहा, ''जिस तरह स्कूलों में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम' गाया जाता है, उसी तरह डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को भी राज्य के हर घर में सम्मान दिलाया जाएगा।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मध्य कोलकाता स्थित प्रदेश कार्यालय में डॉ. मुखर्जी की 125वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए यह जानना जरूरी है कि पश्चिम बंगाल को भारत का हिस्सा बनाए रखने में डॉ. मुखर्जी ने कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य में वाम मोर्चे के 34 वर्ष के शासन और तृणमूल कांग्रेस सरकार के 15 वर्षों के दौरान डॉ. मुखर्जी के राष्ट्र के प्रति योगदान को लोगों के सामने नहीं लाया गया।

उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी की भूमिका के कारण ही पश्चिम बंगाल भारत का हिस्सा बना, अन्यथा यह तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान और वर्तमान बांग्लादेश का हिस्सा होता।

मुख्यमंत्री ने कहा, उस स्थिति में क्या होता, इसकी कल्पना आज सोशल मीडिया पर सामने आ रही अनेक पोस्ट और खबरों के माध्यम से की जा सकती है। उन्होंने यह भी दावा किया कि पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और भारत सेवाश्रम संघ के संस्थापक स्वामी प्रणवानंद के विचारों के अनुरूप काम करेगी। छह जुलाई, 1901 को जन्मे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का 23 जून, 1953 को श्रीनगर में हिरासत के दौरान निधन हो गया था। डॉ. मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर के भारत के साथ पूर्ण एकीकरण की मांग करते हुए अनुच्छेद 370 को समाप्त करने का अभियान चलाया था। केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया।

अमित शाह ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 फुट ऊंची प्रतिमा का शिलान्यास किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विचारक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर सोमवार को पूर्वी कोलकाता में उनकी 125 फुट ऊंची प्रतिमा का शिलान्यास किया।

शाह पश्चिम बंगाल की राजधानी के एक दिवसीय दौरे पर हैं और वह जनसंघ के संस्थापक मुखर्जी की 125वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। कोलकाता के न्यू टाउन इलाके में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिमा निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी मौजूद थे।

अमित शाह ने कोलकाता स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता के भवानीपुर इलाके में श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आवास पर जाकर जनसंघ के संस्थापक को उनकी 125वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी। शाह मुखर्जी की जयंती पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए कोलकाता के एक दिवसीय दौरे पर हैं। अमित शाह मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी, भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य, मंत्रियों और भाजपा विधायकों के साथ शहर के न्यू टाउन इलाके में मुखर्जी की 125 फुट ऊंची प्रतिमा की आधारशिला रखने के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद जनसंघ संस्थापक के आवास पर पहुंचे। मुखर्जी के आवास पर, शाह ने उनके परिवार के सदस्यों से बातचीत करने से पहले उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। केंद्रीय मंत्री शाम को विश्व बांग्ला मेला मैदान में आयोजित कार्यक्रम में भी शामिल होंगे, जिसमें राज्य के भाजपा नेता, पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हो सकते हैं।

भाजपा ने 30 दिन जेल में रहने पर मंत्रियों को हटाने संबंधी विधेयक का विरोध करने पर कांग्रेस को घेरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस गंभीर आपराधिक मामलों में लगातार 30 दिन तक न्यायिक हिरासत में रहने पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री को उनके पद से हटाने के प्रावधान वाले विधेयक का इसलिए विरोध कर रही है, क्योंकि कांग्रेस को लगता है कि उसे भ्रष्टाचार करने से नहीं रोका जाना चाहिए। भाजपा की यह टिप्पणी कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश के इस बयान के एक दिन बाद आई है कि यह संविधान संशोधन विधेयक विरोधियों को राजनीतिक रूप से परेशान करने के मकसद से लाया गया है और उनकी पार्टी इसका पुरजोर विरोध करेगी।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि प्रस्तावित कानून का मकसद कार्यकारी पदों पर बैठे लोगों के लिए जवाबदेही के समान मानक तय करना है। पूनावाला ने एक वीडियो संदेश में कहा, कुछ ऐसे लोग हैं, जिन्हें लगता है कि सिर्फ उन्हीं को सब कुछ पाने का हक है। उन्हें लगता है कि भ्रष्टाचार करना उनका अधिकार है। वे भ्रष्टाचार में शामिल होते हैं और अगर कोई उन्हें पकड़ ले, तो वे उत्पीड़न का रोना रोने लगते हैं। उन्होंने कहा, भ्रष्टाचार और अपराध को अपना अधिकार समझने की इस सोच को खत्म किया जा रहा है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का जिक्र करते हुए पूनावाला ने सवाल उठाया कि क्या कोई निर्वाचित मुख्यमंत्री जेल से शासन चलाना जारी रख सकता है। उन्होंने कहा, संविधान निर्माताओं ने कभी नहीं सोचा था कि अगर कोई मुख्यमंत्री या सरकार का कोई पदाधिकारी जेल जाता है, तो वह इस्तीफा नहीं देगा। हमने अरविंद केजरीवाल के मामले में ऐसा देखा, जिन्होंने जेल में रहते हुए भी सरकार चलाना जारी रखा। क्या प्रशासनिक तौर पर ऐसा मुमकिन है? यह ईमानदारी का भी सवाल है। पूनावाला ने विपक्षी दलों पर सार्वजनिक पद से इस्तीफे के मुद्दे पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया, पहले तो वे (विपक्षी नेता) एक आरोप का संकेत भर मिलने पर लोगों से इस्तीफा मांगते थे। अब जब अदालतें उन्हें एक के बाद एक मामलों में जेल भेज रही हैं, तो वे इस्तीफा नहीं दे रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता ने सवाल उठाया कि निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ अलग व्यवहार क्यों किया जाना चाहिए। उन्होंने सार्वजनिक पदों पर बैठे लोगों और आम नागरिकों के लिए एक समान मानक की वकालत की। पूनावाला ने पूछा, अगर कोई आम आदमी जेल जाता है, तो क्या उसे एक दिन भी अपनी नौकरी जारी रखने की इजाजत मिलेगी? उसे तुरंत निलंबित कर दिया जाएगा। तो फिर निर्वाचित प्रतिनिधियों और कार्यकारी पदों पर बैठे लोगों के लिए अलग कानूनी पैमाना क्यों होना चाहिए? विधेयक को पहले ही संसद की संयुक्त समिति के पास भेजा जा चुका है और विपक्षी दलों को सीधे इसका विरोध करने के बजाय समिति की सिफारिशों का इंतजार करना चाहिए।

कांवड़ यात्रा की तैयारियों का डीआईजी ने लिया जायजा

मेरठ/भाषा। आगामी श्रावण मास की कांवड़ यात्रा की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मेरठ परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) कलानिधि नैथानी ने सोमवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कांवड़ नियंत्रण कक्ष, सीसीटीवी व्यवस्था, पार्किंग, साफ-सफाई और यातायात प्रबंधन की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। पुलिस के अनुसार, डीआईजी ने थाना सिविल लाइन, लालकुर्ती, देहली गेट, रेलवे रोड और सदर बाजार क्षेत्रों का भ्रमण किया। उन्होंने घंटाघर स्थित पुलिस अधीक्षक नगर कार्यालय में कांवड़ नियंत्रण कक्ष का भी निरीक्षण किया।

पुलिस के अनुसार नैथानी को निरीक्षण के दौरान कुछ सीसीटीवी कैमरे बंद मिले, जबकि कुछ का एंगल' सही नहीं था। डीआईजी ने सभी कैमरों को तत्काल चालू कराने तथा उनके एंगल' दुरुस्त करने के निर्देश दिए। नैथानी ने सभी प्रमुख चौराहों और कांवड़ मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों तक नियंत्रण कक्ष से एकीकृत पहुंच सुनिश्चित करने को कहा। डीआईजी ने कैंट स्थित बाबा औघड़नाथ मंदिर का भी निरीक्षण किया और पार्किंग व्यवस्था, बैरिकेडिंग तथा श्रद्धालुओं की आवाजाही की समीक्षा की। उन्होंने निरीक्षण के दौरान नैन्सी चौराहा और दर्शन एकेडमी पार्किंग स्थल पर साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं मिलने पर उसे तत्काल दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। डीआईजी ने मंदिर परिसर और आसपास नीचे लटके बिजली के तारों को कसने तथा सीसीटीवी कैमरों की दृश्य सीमा में आड़े आ रही पेड़ों की टहनियों की छंटाई कराने के भी निर्देश दिए।

अयोध्या मुद्दे पर आस्था से किया जा रहा है समझौता : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को भाजपा संगठन और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच 'सत्ता का संघर्ष' होने का आरोप लगाया एवं कहा कि अयोध्या में लोगों की आस्था और धार्मिक भावनाओं से समझौता किया जा रहा है। यादव ने प्रदेश पार्टी मुख्यालय पर दल के नेताओं और पदाधिकारियों के साथ बैठक के बाद प्रेसवार्ता में भाजपा पर आरोप लगाया कि इस पार्टी का

नेतृत्व लोगों की धार्मिक आस्था की रक्षा करने से ज्यादा अंदरूनी झगड़े को लेकर फिक्रमंद है। उन्होंने आरोप लगाया, ''हमारी आस्था और भक्ति के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। हर कोई जानता है कि क्या हो रहा है, फिर भी वे चुप हैं। डबल इंजन वाली सरकार (उत्तर प्रदेश और केंद्र की भाजपा सरकार) एक साथ नहीं चल रही हैं । दोनों इंजन टकरा रहे हैं। सत्ता का संघर्ष है। उन्हें आस्था या भक्ति की कोई चिंता नहीं है।''

यादव ने दावा किया कि सत्ता में बैठे लोग खजाने के लालच में 'अंधे' हो गए हैं और यह झगड़ा भाजपा के अंदर नियंत्रण की लड़ाई को जाहिर करता है। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि कथित चढ़ावा चोरी मामले की विशेष अन्वेषण दल (एसआईटी) की जांच खुद भाजपा की अंदरूनी खींचतान को उजागर करती है। उन्होंने कहा,अगर यह प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई या आयकर विभाग का मामला होता, तो जांच दिल्ली के हाथ में होती। मगर इससे पहले कि दिल्ली इस बारे में सोच पाती, लखनऊ ने सब कुछ अपने हाथ में ले लिया। यह सत्ता के संघर्ष की वजह से हो रहा है।

आगरा में तेजो महालय मामले में केंद्र, एएसआई से जवाब तलब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने आगरा में भगवान श्री अग्रेश्वर महादेव नागनाथेश्वर विराजमान तेजो महालय मंदिर और ताजमहल के मामले में दायर रिट याचिका पर सोमवार को केंद्र सरकार और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को जवाबी हलफनामा दाखिल करने को कहा।

यह याचिका आगरा जनपद न्यायालय के उन आदेशों के खिलाफ दायर की गई है जिसमें दीवानी न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) और अपर जिला न्यायाधीश ने विवादित परिसरों का सर्वेक्षण करने के लिए एक अधिवक्ता आयोग गठित करने का आदेश पारित करने से इनकार कर दिया था। वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पेश हुए अधिवक्ता हरिशंकर जैन ने दलील दी कि अधिवक्ता आयोग गठित करने और विवादित परिसरों की फोटोग्राफी के लिए उनका आवेदन गलत ढंग से खारिज किया गया, तथा इसके बाद पुनरीक्षण याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी गई कि यह सुनवाई योग्य नहीं है, यद्यपि विवाद पर निर्णय के लिए यह आवश्यक है। अधिवक्ता जैन की दलील सुनने के बाद न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने केंद्र और एएसआई को इस मामले में जवाबी हलफनामा दाखिल करने को कहा और इस रिट याचिका में चौथे प्रतिवादी पंकज कुमार वर्मा को नोटिस जारी किया। याचिकाकर्ता की अधिवक्ता सौम्या श्रीवास्तव के मुताबिक, वर्ष 2015 में एक घोषणात्मक वाद दायर किया गया था जिसमें यह घोषणा करने का अनुरोध किया गया था कि ताजमहल परिसर में भगवान श्री अग्रेश्वर महादेव नागनाथेश्वर विराजमान तेजो महालय मंदिर है।

मोदी सरकार की नीतियों के कारण देश की वैश्विक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भारतीय पासपोर्ट की वैश्विक रैंकिंग में गिरावट को लेकर सोमवार को नरेन्द्र मोदी सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि उसकी नीतियों के कारण देश की वैश्विक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है।

खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक पुराने बयान का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि विदेश यात्रा करने वाले और विदेशों में रहने वाले लोग आज भारतीय पासपोर्ट की ताकत और सम्मान को जानते हैं। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, ''मोदी सरकार की नीतियां भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए जिम्मेदार हैं।'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी ने 2018 में दावा किया था कि विदेश यात्रा करने वाले और विदेशों में रहने वाले

लोग आज भारतीय पासपोर्ट की ताकत और सम्मान को जानते हैं। वह 'ताकत' आखिर दिखाई कहां देती है? तथ्य उनके दावों का समर्थन नहीं करते।'' खरगे के मुताबिक, एक वैश्विक पासपोर्ट रैंकिंग में भारत 2013 में 74वें स्थान से जून, 2026 में 80वें स्थान पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि एक अन्य वैश्विक पासपोर्ट सूचकांक में भारत को वर्ष 2026 में 125वां स्थान दिया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि सेवाओं में सुधार करने के बजाय मोदी सरकार ने पासपोर्ट बनवाना और महंगा कर दिया है।

उच्च न्यायालय का राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई से इनकार

लखनऊ/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने सोमवार को अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे में कथित हेरा-फेरी की स्वतंत्र जांच का आदेश देने के अनुरोध वाली एक जनहित याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि इसी मुद्दे पर एक याचिका पहले से ही उच्चतम न्यायालय में लंबित है। न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने मोहित अशोक द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए इसे निस्तारित कर दिया।

याचिकाकर्ता ने राम मंदिर में भक्तों द्वारा दिए गए दान और चढ़ावे के कथित गबन की स्वतंत्र जांच कराने और मंदिर के वित्तीय मामले का ऑडिट भारत के नियंत्रक एवं लेखा महापरीक्षक (कैग) से कराने के निर्देश देने का अनुरोध किया था। पीठ ने याचिका के गुण-दोष की जांच करने से इनकार करते हुए मामले को निस्तारित कर दिया।

लोस ने सांसदों से कहा : प्रश्नकाल समाप्त होने तक उत्तर सार्वजनिक नहीं कर सकते

नई दिल्ली/भाषा। संसद के मानसून सत्र से पहले लोकसभा सचिवालय ने सांसदों को याद दिलाया है कि प्रश्नकाल में मंत्रियों द्वारा पूरक प्रश्नों के उत्तर दिए जाने तक लिखित उत्तरों की सामग्री को ''अत्यंत गोपनीय'' माना जाएगा। लोकसभा सचिवालय ने यह भी स्पष्ट किया कि मौखिक उत्तर के लिए सूचीबद्ध प्रश्नों के उत्तरों की सामग्री भी सदन में प्रश्न पूछे जाने और उसका उत्तर दिए जाने तक ''अत्यंत गोपनीय'' रहेगी। सचिवालय ने कहा कि यदि किसी प्रश्न पर सदन में मौखिक उत्तर नहीं दिया जाता है, तो प्रश्नकाल समाप्त होने तक उस प्रश्न का उत्तर सार्वजनिक नहीं किया जाना चाहिए। बीते शनिवार को जारी एक बुलेटिन में कहा गया कि लिखित प्रश्नों के उत्तरों को तब तक गोपनीय रखा जाएगा, जब तक उन्हें सदन के पटल पर नहीं रखा जाता और प्रश्नकाल समाप्त नहीं हो जाता। बुलेटिन में कहा गया कि किसी प्रश्न का उत्तर उसी रूप में अंतिम माना जाएगा, जिस रूप में वह किसी निर्धारित तिथि के लिए सदन की कार्यवाही में प्रकाशित होता है। ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिनमें सांसदों ने अपने प्रश्नों के उत्तर संसद के संबंधित अधिकारियों द्वारा सार्वजनिक किए जाने से पहले ही मीडिया के साथ साझा कर दिए।

भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद पहला मौका मिलते ही बांकीपुर छोड़ दिया : प्रशांत किशोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। जन सुराज पार्टी के संस्थापक एवं बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के उम्मीदवार प्रशांत किशोर ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन पर संसद पहुंचने का पहला अवसर मिलते ही बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र को ''छोड़ देने'' का आरोप लगाया। पिछले विधानसभा चुनाव में नितिन नवीन लगातार पांचवीं बार इस सीट से विजयी रहे थे। इस उपचुनाव में इस सीट से जीत हासिल करने की कोशिश कर रहे किशोर ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद गुजरात विधानसभा की अपनी सीट नहीं छोड़ी थी।

किशोर ने कहा, मुझे पता है कि भाजपा बांकीपुर को अपना गढ़ मानती है। यहां के मतदाताओं ने बार-बार नितिन नवीन पर भरोसा जताया है। लेकिन नितिन नवीन ने उन्हें भूलने में देर नहीं लगाई। संसद जाने का पहला अवसर मिलते ही उन्होंने यह सीट छोड़ दी। उन्होंने भाजपा के इस दावे को भी खारिज किया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन का बिहार विधानसभा का सदस्य बने रहना संभव नहीं था और इसी कारण वह अप्रैल में राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चुनाव अभियान का प्रबंधन कर चुके आईपैक' (आई-पीएसी) के संस्थापक किशोर ने कहा, हमारे सामने अमित शाह का उदाहरण है। जब वह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने थे, तब गुजरात विधानसभा के सदस्य थे। उन्होंने अपनी विधानसभा सीट नहीं छोड़ी थी। नितिन नवीन के लिए दिल्ली जाना कोई मजबूरी नहीं थी। यह उनका अपना फैसला था। अमित शाह 2014 में नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने थे और 2017 में राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने तक गुजरात की नारनपुरा विधानसभा सीट से विधायक बने रहे।

धार्मिक स्वतंत्रता दूसरों की भावनाओं को आहत करने की अनुमति नहीं देती : कलकत्ता उच्च न्यायालय

कोलकाता/भाषा। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सोशल मीडिया पर पोस्ट की वजह से एक व्यक्ति की सहायक प्राध्यापक पद पर नियुक्ति को रद्द करते हुए टिप्पणी की कि किसी व्यक्ति को अपने धर्म को मानने का अधिकार है, लेकिन इसे दूसरों की आस्था को ठेस पहुंचाने की इजाजत नहीं माना जा सकता। अदालत ने यह फैसला पश्चिम बंगाल के नरेंद्रपुर स्थित रामकृष्ण मिशन कॉलेज की उस याचिका पर दिया, जिसमें चार सितंबर, 2025 को तमाल दासगुप्ता को संस्थान में अंग्रेजी का सहायक प्राध्यापक नियुक्त करने के एकल पीठ के आदेश को चुनौती दी गई थी। न्यायमूर्ति देबांग्सु बसाक और न्यायमूर्ति मोहम्मद शब्बर रशीदी की खंडपीठ ने माना कि उम्मीदवार के सोशल मीडिया पोस्ट दूसरे धर्मों के मानने वालों की भावनाएं आहत करने वाली थीं।

पीठ ने इस तथ्य को संज्ञान में लिया कि दासगुप्ता ने अपने धर्म के अलावा दूसरे धर्मों के बारे में कड़े विचार व्यक्त किए थे। अदालत ने उम्मीदवार की दलील को अस्वीकार कर दिया कि कॉलेज द्वारा उन्हें नौकरी न देने के फैसले ने उनकी अभिव्यक्ति की आजादी और धर्म का पालन करने के मौलिक अधिकारों को प्रभावित किया है। अदालत ने यह भी संज्ञान में लिया कि पश्चिम बंगाल महाविद्यालय सेवा आयोग की ओर से इस पद पर दासगुप्ता को नियुक्त करने की सिफारिश किए जाने से पहले ही उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए थे। इन पोस्ट में उन्होंने धर्मों, रामकृष्ण मिशन (जिसका यह महाविद्यालय एक हिस्सा है) के कामकाज और मिशन के संतों के बार में कड़े विचार व्यक्त किए थे।

सुविचार

इंसान की पहचान उसके कपड़ों से नहीं, बल्कि उसके चरित्र और व्यवहार से होती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्क्रीन टाइम से ज्यादा संस्कार जरूरी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने बच्चों को मानसिक रूप से मजबूत बनाने के लिए जो सुझाव दिए हैं, वे अत्यंत प्रासंगिक हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर अत्यधिक स्क्रीन टाइम का गलत असर हो रहा है। वहीं, पारिवारिक माहौल भी ऐसा होता जा रहा है, जहां बच्चे अकेलापन महसूस कर रहे हैं। वे मोबाइल फोन, कंप्यूटर या टीवी पर क्या देख रहे हैं – यह मालूम करने के लिए माता-पिता के पास समय नहीं है। उन्हें लगता है कि बच्चों को सबसे अच्छी सुविधाएं उपलब्ध करा देना काफी है। पहले, पारिवारिक मार्गदर्शन के कारण बच्चे अनुशासित रहते थे। अब इसका अभाव होता जा रहा है। भागवत ने सत्य कहा कि नई पीढ़ी को बातचीत करने की जरूरत है। उसके अकेलेपन को दूर करना होगा, जो भीतर घर कर रहा है। आज किशोरों और युवाओं को अमेरिका से लेकर दक्षिण कोरिया तक के मशहूर बैंड के नाम मालूम हैं। वे इनके बारे में ज्यादा से ज्यादा जानने के लिए उत्सुक रहते हैं। जब उन्हें महाभारत के योद्धाओं, स्वतंत्रता संग्राम के नायकों के बारे में पूछा जाता है तो वे उलझन में पड़ जाते हैं। वे पुस्तकों से दूर भागते हैं। उन्हें लगता है कि हर सवाल का जवाब सर्च इंजन या एआई टूल के पास है। वे उनके द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी पर आंखें मूंदकर विश्वास करते हैं। सोशल मीडिया पर ऐसी सामग्री की भरमार है, जिसमें दावा किया जाता है कि 'बड़े-बुजुर्गों की बातों में कुछ नहीं रखा है। अगर उन्हें ही सबकुछ पता होता तो आज इतनी समस्याएं नहीं होतीं।' वास्तव में, यहां मुद्दा समस्याओं का होना या न होना नहीं, बल्कि अनुभव का होना है।

सोशल मीडिया पर कई युवा स्वीकार करते हैं कि वे किशोरावस्था में कुसंगति के कारण शराब, जुआ और चरित्र संबंधी अन्य खराबियों में रुचि लेने लगे थे। उन्हें मार्गदर्शन देने वाला कोई नहीं था। वे दोस्तों की बातों को ब्रह्मांड का अंतिम सत्य समझते थे। बाद में, उन्हें भारी नुकसान हुआ। उन्होंने अपना अनमोल समय, स्वास्थ्य और धन गंवा दिया। अगर उनके परिवार में इस मुद्दे पर बात की जाती, कोई बुजुर्ग सदस्य उन्हें समझाता तो वे उक्त बुराइयों से बच सकते थे। कई बच्चों में पढ़ने, आगे बढ़ने और कुछ करने की इच्छाशक्ति नजर नहीं आती। उन्हें माता-पिता द्वारा सुविधाएं पूरी उपलब्ध कराई जाती हैं, लेकिन वे पूरी तरह सुस्त दिखाई देते हैं। वे सुबह स्कूल जाने से पहले बहुत धीरे-धीरे तैयार होते हैं। उन्हें यह तो याद रहता है कि आज शाम को एक सेलिब्रिटी के कार्यक्रम का प्रसारण होगा, लेकिन वे शिक्षक द्वारा दिया गया गृहकार्य करना बड़ी आसानी से भूल जाते हैं। उन्हें अचानक याद आता है कि कल एक विषय का टेस्ट है। उन्हें अपने दोस्तों के जन्मदिन कंठस्थ रहते हैं। किस साल पार्टी में कौनसी ड्रेस पहनी थी, कहां से केक मंगवाया था, कौनसा गाना चलाया था, कौन-कौन आया था – ये सब उनकी याददाश्त में हमेशा कैद रहते हैं। दादी-नानी की कहानियां लुप्त होती जा रही हैं। उनकी जगह मोबाइल फोन पर दिखाई देने वाले विदेशी किरदारों ने ले ली है। पुरानी कहानियों से स्वस्थ मनोरंजन तो होता ही था, अच्छी सीख भी मिलती थी। विदेशी किस्से-कहानियां परोस रहे किरदारों में इनका घोर अभाव है। अक्सर वे बच्चों को ऐसे तौर-तरीके अपनाने के लिए कहते हैं, जो भारतीय समाज में स्वीकार्य नहीं हैं। ये बच्चे भविष्य में कैसे नागरिक बनेंगे? इस प्रश्न पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। बच्चे अच्छी बातें सीखें, अच्छी संगति में रहें, मानसिक रूप से मजबूत बनें, उनका भविष्य उज्ज्वल हो, इसके लिए सही मार्गदर्शन देना बड़ों की जिम्मेदारी है।

ट्वीटर टॉक

अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के 14वें स्थापना दिवस के अवसर पर वैश्य मित्र रत्न सम्मान समारोह में उपस्थित सम्मानित लोगों को संबोधित किया। वैश्य समुदाय ने हमेशा अपनी एंटरप्रेन्योरशिप, बिज़नेस की समझ सांस्कृतिक समृद्धि और सामाजिक विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

–अर्जुनराम मेघवाल

, हरित क्रांति के अग्रदूत और भारत के पूर्व उप प्रधानमंत्री डॉ. बाबू जगजीवन राम की 40वीं पुण्यतिथि के मौके पर, विधान सौध के पश्चिमी गेट के पास उनकी मूर्ति पर फूल चढ़ाते और श्रद्धांजलि देते हुए।

–डीके शिवकुमार

राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के वीर योद्धा, महान शिक्षाविद और भारतीय जनसंघ के संस्थापक, श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की जयंती पर आज मंगलेश्वर महादेव मंदिर में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।

–दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

संन्यासी का प्रेरक आचरण

एक शिष्य ने परमहंसजी से पूछा कि आम लोग तो सभी सुख-सुविधाओं का लाभ उठाते हैं, लेकिन संत-संन्यासियों के लिए इतने कठोर नियम क्यों बनाए गए हैं? परमहंसजी ने जवाब दिया कि आम लोग तो समाज में रहकर अनुशासन के साथ सभी काम करने के लिए आजाद हैं, लेकिन संन्यासी कितना भी तपस्वी क्यों न हो, उसे स्त्रियों से दूर रहना चाहिए, धन का संग्रह नहीं करना चाहिए, सुख-सुविधा पाने की इच्छा नहीं रखनी चाहिए, संत को क्रोध से बचना चाहिए। शिष्य ने पूछा कि संन्यासियों के लिए ही इतने कठिन नियम क्यों बनाए गए हैं? जबकि संन्यासी भी इसी समाज का हिस्सा है, वह भी इंसान ही है। परमहंसजी ने कहा कि त्याग की शिक्षा एक संन्यासी नहीं देगा तो और कौन देगा, संन्यासी अपने ज्ञान और कर्म से समाज को श्रेष्ठ जीवन जीने की सीख देता है। संन्यासी अपने आचरण से समाज को बताता है कि इच्छाएं अनंत हैं, ये कभी पूरी नहीं हो सकती हैं। इसीलिए किसी चीज का मोह नहीं रखना चाहिए, त्याग की भावना रखेंगे तो कभी दुखी नहीं होना पड़ेगा। भगवान की भक्ति में मन लगा रहेगा।

सामयिक

साइबर संजाल: डिजिटल दुनिया का काला सच

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

कुछ दिन पहले केंद्र सरकार ने सोशल मीडिया मंचों पर प्रसारित हो रही बाल यौन शोषण सामग्री और आपत्तिजनक विज्ञापनों को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए कई डिजिटल कंपनियों से जवाब-तलब किया। कुछ समय पहले 'इंस्टाग्राम' पर ऐसे विज्ञापनों के सामने आने से व्यापक विवाद खड़ा हुआ, जिनके माध्यम से बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री तक पहुंचने का रास्ता दिखाया जा रहा था। इसके बाद सरकार ने संबंधित कंपनियों को नोटिस जारी किए और यह स्पष्ट किया कि डिजिटल मंचों को केवल तकनीकी सेवा प्रदाता मानकर उनकी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं किया जा सकता। यह घटना केवल एक कंपनी या एक मंच तक सीमित नहीं है, बल्कि उस गंभीर संकट का संकेत है, जिसमें इंटरनेट और सोशल मीडिया का एक हिस्सा अपराधियों के लिए सुरक्षित ठिकाना बनता जा रहा है। जिस तकनीक का उद्देश्य ज्ञान, संवाद और विकास था, वही तकनीक आज अनेक रूपों में अपराध, धोखाधड़ी, मानसिक शोषण और सामाजिक विघटन का माध्यम भी बन रही है। ऐसे समय में साइबर संजाल के उजले और काले दोनों पक्षों को समझना अत्यंत आवश्यक हो गया है।

इक्कीसवीं सदी को डिजिटल युग कहा जाता है। इंटरनेट ने दुनिया को सचमुच एक वैश्विक गांव में बदल दिया है। आज शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार, बैंकिंग, मनोरंजन, सरकारी सेवाएं और सामाजिक संवाद लगभग पूरी तरह डिजिटल माध्यमों पर निर्भर हो चुके हैं। एक क्लिक पर जानकारी उपलब्ध हो जाती है, हजारों किलोमीटर दूर बैठे लोग कुछ ही सेकंड में एक-दूसरे से जुड़ जाते हैं और छोटे-से गांव का व्यक्ति भी वैश्विक बाजार तक पहुंच बना सकता है। डिजिटल क्रांति ने विकास की गति को अभूतपूर्व बनाया है। भारत में डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन शिक्षा, ई-गवर्नेंस और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना ने करोड़ों लोगों का जीवन सरल बनाया है। लेकिन हर तकनीक की तरह इंटरनेट का भी दूसरा चेहरा है, जो उतना ही भयावह और चिंताजनक है।

साइबर संजाल का सबसे बड़ा खतरा यह है कि अपराध अब केवल सड़कों या बंद कमरों तक सीमित नहीं रहे। अपराधियों ने डिजिटल दुनिया को अपना नया अड्डा बना लिया है। साइबर ठगी, पहचान की चोरी, बैंक खातों से धन की निकासी, फर्जी निवेश योजनाएं, ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग, अश्लील सामग्री का प्रसार, महिलाओं और बच्चों का डिजिटल उत्पीड़न, फर्जी समाचार, धार्मिक और सामाजिक वैमनस्य फैलाने वाले संदेश, साइबर बुलिंग तथा हैकिंग जैसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। इंटरनेट ने अपराधियों को ऐसा मंच उपलब्ध कराया है, जहां वे अपनी वास्तविक पहचान छिपाकर हजारों लोगों तक आसानी से पहुंच सकते हैं। यही कारण है कि साइबर अपराधों का दायरा लगातार विस्तृत होता जा रहा है। सबसे ज्यादा चिंता का विषय बच्चों और किशोरों की सुरक्षा है। आज की नई पीढ़ी बचपन से ही मोबाइल और इंटरनेट के संपर्क में आ जाती है। पढ़ाई, मनोरंजन और खेल के नाम पर वे घंटों ऑनलाइन रहते हैं। अपराधी इसी मासूमियत का फायदा उठाते हैं। फर्जी प्रोफाइल बनाकर बच्चों से दोस्ती करना, उनकी निजी जानकारी प्राप्त करना, अश्लील सामग्री भेजना, मानसिक रूप से प्रभावित करना और अंततः उनका शोषण करना आज एक गंभीर वैश्विक समस्या बन चुकी है। कई बार बच्चे अनजाने में ऐसे जाल में फंस जाते हैं, जिससे बाहर निकलना उनके लिए कठिन हो जाता है। माता-पिता और शिक्षकों की थोड़ी-सी लापरवाही बच्चों के भविष्य को खतरे में डाल सकती है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इस पूरे विमर्श के केंद्र में हैं। फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स, यूट्यूब और अन्य मंच करोड़ों लोगों को अपनी बात रखने का अवसर देते हैं। इन माध्यमों ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को नया विस्तार दिया है, लेकिन यही मंच नफरत फैलाने, अफवाहें फैलाने, अश्लील सामग्री प्रसारित करने और अपराधियों को नए शिकार खोजने का माध्यम भी बनते जा रहे हैं।

सवाल यह उठता है कि क्या इन मंचों की केवल तकनीकी भूमिका है या फिर उन पर प्रकाशित सामग्री के प्रति उनकी नैतिक और कानूनी जिम्मेदारी भी बनती है? यदि किसी मंच का एल्गोरिदम ऐसी सामग्री को अधिक लोगों तक पहुंचा रहा है, जिससे अपराध को बढ़ावा मिलता है, तो उसकी जवाबदेही तय होना स्वाभाविक है। केवल यह कह देना पर्याप्त नहीं हो सकता कि सामग्री उपयोगकर्ताओं ने डाली है। वास्तव में डिजिटल कंपनियों के एल्गोरिदम का उद्देश्य उपयोगकर्ता को अधिक समय तक मंच पर बनाए रखना होता है। इसके लिए वे उपयोगकर्ता की रुचियों के अनुरूप सामग्री दिखाते हैं। कई बार यही एल्गोरिदम सनसनीखेज, हिंसक या अश्लील सामग्री को भी अधिक प्रसारित कर देते हैं, क्योंकि ऐसी सामग्री पर लोगों की प्रतिक्रिया अधिक होती है। इससे अपराधियों को अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलता है। इसलिए केवल सामग्री हटाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन तकनीकी व्यवस्थाओं की भी समीक्षा आवश्यक है, जो ऐसी सामग्री को लोकप्रिय बनाती हैं। साइबर अपराध केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी प्रश्न बन चुके हैं। आज सरकारी वेबसाइटों पर साइबर हमले, महत्वपूर्ण संस्थानों के डाटा की चोरी, रक्षा प्रतिष्ठानों पर हैकिंग के प्रयास और संवेदनशील सूचनाओं की जासूसी जैसी घटनाएं दुनिया भर में बढ़ रही हैं। किसी देश की बिजली व्यवस्था, बैंकिंग प्रणाली, रेलवे नेटवर्क या स्वास्थ्य सेवाओं पर साइबर हमला पूरे राष्ट्र को संकट में डाल सकता है। इसलिए साइबर सुरक्षा अब सीमाओं की रक्षा जितनी ही महत्वपूर्ण मानी जाने लगी है।

> **सवाल यह उठता है कि क्या इन मंचों की केवल तकनीकी भूमिका है या फिर उन पर प्रकाशित सामग्री के प्रति उनकी नैतिक और कानूनी जिम्मेदारी भी बनती है? यदि किसी मंच का एल्गोरिदम ऐसी सामग्री को अधिक लोगों तक पहुंचा रहा है, जिससे अपराध को बढ़ावा मिलता है, तो उसकी जवाबदेही तय होना स्वाभाविक है। केवल यह कह देना पर्याप्त नहीं हो सकता कि सामग्री उपयोगकर्ताओं ने डाली है।**

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र, राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल, साइबर हेल्पलाइन और डिजिटल सुरक्षा संबंधी जागरूकता अभियान इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। विभिन्न राज्यों में साइबर पुलिस स्टेशन स्थापित किए जा रहे हैं और साइबर अपराधों की जांच के लिए विशेषज्ञों की नियुक्ति की जा रही है। फिर भी तकनीक जिस तेजी से बदल रही है, उसके अनुरूप कानून, जांच एजेंसियों और न्यायिक प्रक्रियाओं को भी लगातार आधुनिक बनाना होगा।

साइबर अपराधों से लड़ाई केवल सरकार या पुलिस नहीं जीत सकती। इसमें समाज की सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है। प्रत्येक नागरिक को डिजिटल साक्षर होना होगा। मजबूत पासवर्ड का उपयोग, दो-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था अपनाना, अनजान लिंक पर क्लिक न करना, ओटीपी या बैंक संबंधी जानकारी साझा न करना और सोशल मीडिया पर निजी सूचनाओं को सीमित रखना जैसी छोटी-छोटी सावधानियां बड़े नुकसान से बचा सकती हैं। इसके साथ ही बच्चों को इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग की शिक्षा देना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। परिवारों में डिजिटल अनुशासन विकसित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना सड़क पर यातायात के नियमों का पालन करना।

शिक्षा व्यवस्था में भी साइबर नैतिकता को शामिल किया जाना चाहिए। विद्यार्थियों को केवल कंप्यूटर चलाना नहीं, बल्कि इंटरनेट का जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग करना भी सिखाया जाना चाहिए। उन्हें यह समझाना होगा कि ऑनलाइन दुनिया में भी वही नैतिक मूल्य लागू होते हैं, जो वास्तविक जीवन में होते हैं। किसी की निजता का सम्मान करना, फर्जी समाचार साझा न करना, अपमानजनक भाषा का प्रयोग न करना और डिजिटल माध्यम का सकारात्मक उपयोग करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य होना चाहिए। दूसरी ओर, तकनीकी कंपनियों को भी केवल मुनाफे की दृष्टि से नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ कार्य करना होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी प्रणाली, संदिग्ध सामग्री की त्वरित पहचान, बाल यौन शोषण सामग्री के विरुद्ध शून्य सहिष्णुता, फर्जी खातों पर कठोर कार्रवाई तथा सरकार और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ प्रभावी सहयोग जैसे कदम अनिवार्य बनने चाहिए। डिजिटल मंचों को यह स्वीकार करना होगा कि उनके करोड़ों उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है।

सोचने वाली बात यह है कि इंटरनेट स्वयं अपराधी नहीं है। दोष तकनीक का नहीं, बल्कि उसके दुरुपयोग का है। जिस इंटरनेट ने शिक्षा को घर-घर पहुंचाया, छोटे व्यापारियों को वैश्विक बाजार दिया, मरीजों को विशेषज्ञ डॉक्टरों से जोड़ा, किसानों तक नई जानकारी पहुंचाई और लोकतांत्रिक संवाद को मजबूत किया, वही इंटरनेट यदि अपराधियों के हाथ में पड़ जाए तो विनाशकारी भी बन सकता है। इसलिए समाधान तकनीक से दूरी बनाना नहीं, बल्कि तकनीक का विवेकपूर्ण, जिम्मेदार और सुरक्षित उपयोग करना है। वास्तव में साइबर संजाल आधुनिक सभ्यता की अनिवार्य वास्तविकता है। इससे मुंह मोड़ना संभव नहीं और न ही उचित है। आवश्यकता इस बात की है कि तकनीकी प्रगति और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। सरकार सशक्त कानून बनाए, डिजिटल कंपनियां अपनी जिम्मेदारी निभाएं, शिक्षण संस्थान साइबर जागरूकता बढ़ाएं और प्रत्येक नागरिक डिजिटल अनुशासन को जीवन का हिस्सा बनाए। तभी इंटरनेट मानवता के विकास का सशक्त माध्यम बना रहेगा, न कि अपराध और शोषण का अंधकारमय जाल। तकनीक तभी सार्थक है, जब वह मनुष्य के जीवन को सुरक्षित, सम्मानजनक और बेहतर बनाने का माध्यम बने।

नजरिया

गगनयान के परीक्षणों में इसरो को मिली बड़ी सफलता

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने एक बार फिर अपनी तकनीकी क्षमता और दृढ़ संकल्प का लोहा मनवाया है। भारत के पहले मानव युक्त अंतरिक्ष मिशन गगनयान की दिशा में एक और ऐतिहासिक मील का पत्थर पार कर लिया गया है। इसरो ने गगनयान मिशन के लिए अपने इंटीग्रेटेड पैराशूट टेस्ट और सब ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल फॉर एक्सपेरिमेंट्स (ब्जडत्तए) यानी सॉल्वे सॉलिड मोटर का पहला ग्राउंड टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह सफलता केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं है बल्कि यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि भारत अब अंतरिक्ष में इंसानों को भेजने और उन्हें सुरक्षित वापस लाने की अत्यंत जटिल तकनीक में पूरी तरह से आत्मनिर्भर हो रहा है। गगनयान मिशन का मुख्य उद्देश्य तीन भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी की निचली कक्षा में लगभग चार सौ किलोमीटर की ऊंचाई पर ले जाना और तीन दिन के सफल मिशन के बाद उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाना है। इस पूरे मिशन में सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील पहलू अंतरिक्ष यात्रियों की पुख्ता सुरक्षा है और हाल ही में किए गए ये परीक्षण सीधे तौर पर इसी सुरक्षा प्रणाली से जुड़े हुए हैं।

सॉल्वे सॉलिड मोटर का सफल परीक्षण क्रू एस्केप सिस्टम की विश्वसनीयता को सुनिश्चित करने के लिए एक बहुत बड़ा और निर्णायक कदम है। यह एक विशेष प्रकार का रॉकेट है जिसे इसरो ने विशेष रूप से केवल गगनयान के क्रू मॉड्यूल के उड़ान परीक्षणों के लिए विकसित किया है। इस सॉलिड मोटर को पीएसएलवी रॉकेट के स्ट्रैप ऑन मोटर के आधार पर तैयार किया गया है लेकिन इसमें गगनयान मिशन की विशेष और सख्त आवश्यकताओं के अनुसार कई बड़े बदलाव किए गए हैं। इसमें धीमी गति से जलने वाले प्रोपेलेंट का उपयोग किया गया है ताकि यह आवश्यक समय तक लगातार और नियंत्रित ऊर्जा प्रदान कर सके। इसके साथ ही इसमें सेकेंडरी इंजेक्शन थ्रस्ट वेक्टर कंट्रोल जैसी अत्यधिक उन्नत तकनीक का भी इस्तेमाल किया गया है। यह तकनीक रॉकेट की दिशा को सटीक रूप से नियंत्रित करने में मदद करती है। इस मोटर का मुख्य काम उड़ान के दौरान किसी भी आपात स्थिति में अंतरिक्ष यात्रियों वाले क्रू मॉड्यूल को मुख्य रॉकेट से तुरंत एक सुरक्षित दूरी पर खींच ले जाना है। श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में किया गया यह ग्राउंड टेस्ट यह साबित करता है कि मोटर का प्रदर्शन इसरो के

कड़े मानकों पर पूरी तरह से खरा उतरा है।

इसके साथ ही इंटीग्रेटेड पैराशूट टेस्ट भी अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित वापसी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब क्रू मॉड्यूल अंतरिक्ष से अपना मिशन पूरा करके वापस पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करेगा तो उसकी गति अत्यधिक तीव्र होगी। इस भयंकर गति को कम करने और भारी क्रू मॉड्यूल को समुद्र की सतह पर बहुत ही सुरक्षित रूप से उतारने के लिए पैराशूट प्रणाली का बिना किसी चूक के काम करना आवश्यक है। इसरो ने इस रिकवरी प्रणाली में कुल दस पैराशूट्स का एक जटिल और अचूक नेटवर्क तैयार किया है। इस प्रणाली के तहत सबसे पहले एपेक्स कवर अलग होता है जिसके तुरंत बाद गति को कम करने के लिए दो ड्रोग पैराशूट खुलते हैं। जब मॉड्यूल की तेज गति कुछ हद तक नियंत्रित हो जाती है तो अंत में तीन विशाल मुख्य पैराशूट खुलते हैं जो क्रू मॉड्यूल को बंगाल की खाड़ी या अरब सागर के पानी में बेहद सुरक्षित और धीमी गति से लैंड कराते हैं। इस पूरी प्रक्रिया को स्पलैशडाउन कहा जाता है। इंटीग्रेटेड पैराशूट टेस्ट की शानदार सफलता यह सुनिश्चित करती है कि पैराशूट खुलने की टाइमिंग और उनका तनाव सहने की क्षमता बिल्कुल सटीक है।

गगनयान मिशन भारत के लिए कई मायनों में बहुत अधिक चुनौतीपूर्ण है। इंसानों को अंतरिक्ष की यात्रा पर भेजना केवल उपग्रह भेजने से बिल्कुल अलग और कहीं अधिक जटिल वैज्ञानिक प्रक्रिया है। इसके लिए इसरो अपने सबसे भारी और भरोसेमंद रॉकेट एलवीएम थ्री का उपयोग कर रहा है जिसे मानव उड़ान के अनुकूल बनाने के लिए ह्यूमन रेटेड किया जा रहा है। ह्यूमन रेटिंग का सीधा अर्थ यह है कि रॉकेट का हर एक पुर्जा और हर एक प्रणाली शत प्रतिशत सुरक्षित और भरोसेमंद होनी चाहिए। इसके अलावा अंतरिक्ष यात्रियों के लिए मॉड्यूल के भीतर एक सुरक्षित और आरामदायक वातावरण बनाए रखना भी एक बहुत बड़ी चुनौती है। इसके लिए इसरो एक विशेष पर्यावरण नियंत्रण और जीवन रक्षक प्रणाली विकसित कर रहा है जो अंतरिक्ष यात्रियों को लगातार ऑक्सीजन प्रदान करेगी और कार्बन डाइऑक्साइड तथा नमी को नियंत्रित रखेगी। यह उन्नत प्रणाली पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक पर आधारित है जो भारतीय वैज्ञानिकों की असीमित बुद्धिमत्ता को दर्शाती है।

अंतरिक्ष से वापसी के दौरान क्रू मॉड्यूल को भयानक गर्मी का सामना करना पड़ता है। जब यह मॉड्यूल वायुमंडल की घनी परतों से तेज गति से टकराता है तो घर्षण के कारण उसका बाहरी तापमान हजारों डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। इस अत्यधिक और जानलेवा गर्मी से अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित बचाने के लिए क्रू मॉड्यूल के बाहरी हिस्से पर एक विशेष प्रकार का थर्मल हीट शील्ड लगाया गया है। यह शील्ड मॉड्यूल के भीतर के तापमान को बिल्कुल सामान्य बनाए रखने में मदद करता है। इसरो ने इस हीट शील्ड का निर्माण भी स्वदेशी रूप से किया है और इसके कई सफल परीक्षण पहले ही किए जा चुके हैं। वापसी के अंतिम चरण में भारतीय नौसेना की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण हो जाती है। जैसे ही क्रू मॉड्यूल समुद्र में गिरेगा नौसेना के कुशल गोताखोर और विशेष जहाज तुरंत वहां पहुंचकर अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालेंगे। इसके लिए इसरो और भारतीय नौसेना मिलकर लगातार कड़ा अभ्यास कर रहे हैं ताकि रिकवरी प्रक्रिया में एक सेकंड की भी कोई चूक न हो।

इस मिशन के लिए भारतीय वायुसेना के चार बेहद अनुभवी टेस्ट पायलटों को चुना गया है जिन्होंने रूस में अपना शुरुआती कड़ा प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। अब वे भारत में गगनयान मिशन के लिए विशेष रूप से स्थापित अत्याधुनिक सुविधाओं में आगे का तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इन अंतरिक्ष यात्रियों को उड़ान के हर छोटे बड़े चरण और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार किया जा रहा है। गगनयान मिशन की सफलता से भारत दुनिया का चौथा ऐसा देश बन जाएगा जिसने पूरी तरह से अपने दम पर इंसानों को अंतरिक्ष में भेजा है। इससे पहले केवल रूस अमेरिका और चीन ने ही यह असाधारण उपलब्धि हासिल की है। यह सफलता भारत की वैश्विक छवि को एक नई ऊंचाई पर ले जाएगी और अंतरिक्ष कूटनीति के क्षेत्र में भारत का दबदबा और भी अधिक मजबूत होगा।

इसके अलावा गगनयान मिशन का भारत के सामाजिक और आर्थिक विकास पर भी बहुत गहरा और सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। यह महत्वाकांक्षी मिशन देश में विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में एक नई क्रांति लाएगा। इससे युवाओं में अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति रुचि बहुत अधिक बढ़ेगी और देश को नए वैज्ञानिक तथा कुशल इंजीनियर मिलेंगे। इस मिशन के लिए कई नई और उन्नत तकनीकों का विकास किया जा रहा है जिनका भविष्य में चिकित्सा उद्योग और अन्य क्षेत्रों में भी व्यापक उपयोग किया जा सकेगा। भारतीय अंतरिक्ष उद्योग में निजी क्षेत्र और स्टार्टअप्स की भागीदारी भी तेजी से बढ़ रही है जो देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक बहुत ही शानदार संकेत है। यह मिशन भारत के लिए केवल एक वैज्ञानिक परियोजना मात्र नहीं है बल्कि यह करोड़ों भारतीयों के सपनों असीम आकांक्षाओं और राष्ट्रीय गौरव का सर्वोच्च प्रतीक है।

अंत में यह कहना बिल्कुल सही और तर्कसंगत होगा कि सॉल्वे सॉलिड मोटर और इंटीग्रेटेड पैराशूट टेस्ट की इस हालिया सफलता ने गगनयान मिशन की नींव को बहुत ही ज्यादा मजबूत कर दिया है। इसरो के वैज्ञानिकों ने दिन रात एक करके इस जटिल और महंगी तकनीक को अपने ही देश में विकसित करके एक मिसाल कायम की है। अब वह स्वर्णिम दिन दूर नहीं है जब कोई भारतीय अंतरिक्ष यात्री पूरी तरह से स्वदेशी रॉकेट में बैठकर अंतरिक्ष की अनंत यात्रा करेगा और वहां तिरंगे का मान बढ़ाएगा। यह महान सफलता अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत के एक बहुत ही सुनहरे भविष्य की मजबूत शुरुआत है और पूरे देश को अपने वैज्ञानिकों की इस शानदार उपलब्धि पर बहुत गर्व है। गगनयान मिशन के हर नए चरण की सफलता के साथ भारत अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में विश्व गुरु बनने की दिशा में पूरे आत्मविश्वास के साथ मजबूती से कदम बढ़ा रहा है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेहरान, ईरान: ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और उनके परिवार के सदस्यों की अंतिम यात्रा (जनाजे) में शामिल होते लोग।

अयातुल्ला अली खामेनेई की अंतिम यात्रा में उमड़ी भारी भीड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेहरान/एपी। ईरान की राजधानी तेहरान में दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की अंतिम यात्रा में सोमवार को काले कपड़े पहने शोकाकुल लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। लोग अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ नारे लगा रहे थे और ट्रंप मुर्दाबाद के नारे लगा रहे थे। ईरान के राष्ट्रीय ध्वज में लिपटे खामेनेई (86) के ताबूत को एक ट्रक में रखा गया। इसी ट्रक में उनके परिजनों के ताबूत भी रखे गए जो 28 फरवरी को युद्ध की शुरुआत में इजराइल और अमेरिका के हवाई हमले में मारे गए थे।

ईरान की धार्मिक सत्ता ने इस भारी जनसमूह को अपनी ताकत के प्रदर्शन के रूप में प्रोत्साहित किया। यह जुटान ऐसे समय में हुआ है, जब ईरान उस युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करने के लिए अमेरिका के साथ बातचीत कर रहा है, जिसमें खामेनेई की मौत हो गई थी। ईरानी सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित तस्वीरों में तेहरान के आज़ादी चौक से उसी नाम वाली सड़क पर कई किलोमीटर तक फैली विशाल भीड़ दिखाई दी। यह जनसमूह वर्ष 2020 में दिवंगत कासिम सुलेमानी की अंतिम यात्रा में उमड़ी भीड़ से भी बड़ा नजर आया। उस जुलूस में 10 लाख से अधिक लोग शामिल हुए थे।

अधिकारियों ने भीड़ की संख्या को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक आंकड़ा जारी नहीं किया। हालांकि, ट्रक के आसपास और अंतिम यात्रा मार्ग के विभिन्न हिस्सों में मौजूद लोग तख्तियां, पोस्टर और बैनर लिए हुए थे, जिन पर ट्रंप की मौत की मांग वाले नारे लिखे थे। शोकाकुल लोग ट्रक के पास पहुंचकर उसे छूने का प्रयास कर रहे थे। वहीं कुछ लोगों ने अपने स्कार्फ और अन्य वस्तुएं ट्रक पर मौजूद सहायकों की ओर उछालीं, ताकि उन्हें ताबूत से स्पर्श कराया जा सके। जुलूस के साथ चल रही भारी भीड़ को देखते हुए अधिकारी सुरक्षा को लेकर चिंतित नजर आए। लाउडस्पीकरों के माध्यम से लोगों से धीरे-धीरे चलने, धक्का-मुक्की न करने और सड़क के किनारों पर बने रहने की अपील की जाती रही।

अधिकारियों ने ट्रक को इमाम की दरगाह के चारों ओर बनी पारंपरिक सजावटी जाली का स्वरूप दिया है। अंतिम यात्रा की निगरानी कर रहे रिवोल्यूशनरी गार्ड के जनरल हसन हसनज़ादेह ने बताया कि इन ताबूतों को 12 घंटे की यात्रा के दौरान तेहरान की सड़कों से होते हुए मेहराबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक ले जाया जाएगा। अंतिम यात्रा के दौरान खामेनेई की मौत का बदला लेने की मांग तेज होती गई। शोक व्यक्त कर रहे लोगों और उनके हाथों में मौजूद पोस्टरों-बैनरों पर ट्रंप तथा इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की हत्या की मांग वाले संदेश लिखे दिखाई दिए।

सोमवार सुबह अंतिम यात्रा में शामिल फातिमा हसन ने कहा, आज हम अपने नेता के अंतिम संस्कार में शामिल होने आए हैं। यह हमारे लिए बेहद पीड़ादायक दिन है। हम यहां उन्हें अंतिम विदाई देने नहीं, बल्कि उनका बदला लेने आए हैं। और हम यह बदला लेकर रहेंगे। शोक के मद्देनजर प्रशासन ने प्रमुख सड़कों को बंद कर दिया है। हवाई क्षेत्र पर भी पाबंदियां लगाई गई हैं और सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। शनिवार से शुरू हुआ यह राष्ट्रीय शोक बृहस्पतिवार को समाप्त होगा। इसके बाद खामेनेई को उनके जन्मस्थान मशहद स्थित इमाम रज़ा दरगाह में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। इस बीच, अमेरिका ईरान के साथ उन वार्ताओं को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहा है, जिनका उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह फिर से खोलना, उसके विवादित परमाणु कार्यक्रम को सीमित करना और युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करना है। हालांकि, ऐसा माना जा रहा है कि ये वार्ताएं अंतिम संस्कार संपन्न होने तक स्थगित रहेंगी।

न्यूयॉर्क में भारतीय नृत्यों की छटा, 300 से अधिक कलाकारों ने पेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिका में 300 से अधिक कलाकारों ने भारत की विविध शास्त्रीय और लोक नृत्य कलाओं की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के समक्ष समृद्ध भारतीय संस्कृति और परंपराओं की एक झलक पेश की। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने भरतनाट्यम कलाकार एवं शिक्षिका विजी राव द्वारा स्थापित फिलाडेल्फिया की गैर-लाभकारी नृत्य संस्था 'श्री अक्ष' के साथ मिलकर रविवार को मैनहट्टन के प्रतिष्ठित कार्नेगी हॉल में 'अखिल भारतीय नृत्य उत्सव-2026' का आयोजन किया।

अमेरिका ने चार जुलाई को अपना 250वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। इसके एक दिन बाद भारतीय वाणिज्य दूतावास की ओर से आयोजित इस नृत्य महोत्सव में दोनों देशों की सांस्कृतिक साझेदारी की झलक देखने को मिली। अमेरिका में जन्मे और पले-बढ़े भारतीय मूल के बच्चों ने कथक, कुचिपुड़ी और भरतनाट्यम जैसे शास्त्रीय नृत्यों के साथ-साथ भांगड़ा की भी आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। करीब दो घंटे तक चले इस महोत्सव में न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी, फिलाडेल्फिया और डेलावेयर के 10 विभिन्न नृत्य संस्थानों के लगभग 387 कलाकारों ने पारंपरिक वेशभूषा में भारतीय शास्त्रीय नृत्यों की प्रस्तुति दी।

न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत विनय प्रधान ने कलाकारों की ''बेहतरीन प्रस्तुति'' की सराहना करते हुए कहा, आप सभी कलाकार आज एक मंच पर आए और भारत की 5,000 वर्षों पुरानी संस्कृति, उसकी विविधता और उसकी जीवंत परंपरा को हमारे सामने प्रस्तुत किया। विजी राव ने भी इस बात पर जोर दिया कि भारतीय-अमेरिकी समुदाय की नई पीढ़ी तक भारतीय संस्कृति और विरासत की परंपराओं को नृत्य तथा अन्य कला के माध्यम से निरंतर पहुंचाना बेहद महत्वपूर्ण है। महोत्सव की शुरुआत वीणा पंडिरी के कलात्मक निर्देशन में संचालित 'नोटस एन बीटस स्कूल' के विद्यार्थियों द्वारा 'वंदे मातरम' की भावपूर्ण प्रस्तुति से हुई। इस प्रस्तुति का नेतृत्व गायक और संगीतकार भार्गव एचसी ने किया।

गायत्री सुधाकर के निर्देशन में नृत्य 'समर्पणम स्कूल ऑफ डांस' ने 'सर्वम शिवमयम' प्रस्तुत किया। इसमें भगवान शिव के तांडव से प्रेरित भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी और मोहिनीअट्टम की अनूठी शास्त्रीय जुगलबंदी देखने को मिली। इसी तरह अन्य कलाकारों ने विभिन्न प्रस्तुतियां दी। करीब तीन हजार दर्शकों से खचाखच भरे सभागार में कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मैं परफेक्ट इंसान नहीं हूं : अली फजल

मुंबई/एजेन्सी

अक्सर देखा जाता है कि कई कलाकार अपने काम में इस कदर डूब जाते हैं कि उनका निजी जीवन कहीं पीछे छूटने लगता है। परिवार के साथ समय बिताना, दोस्तों संग पार्टियों में शामिल होना या अपनों के जन्मदिन याद रखना भी कई बार उनके लिए आसान नहीं होता। कुछ ऐसा ही अभिनेता अली फजल के जीवन में हो रहा है। उन्होंने बताया कि वह खुद को एक परफेक्ट इंसान नहीं मानते, क्योंकि वह काम में इतने खो जाते हैं कि कई बार रिश्तों को समय नहीं दे पाते। अली फजल ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा, ''जब करीबी लोगों से प्यार दिखाने की बात आती है, तो मैं खुलकर भावनाओं को व्यक्त नहीं कर पाता। कई बार ऐसा होता है, मैं जन्मदिन, फैमिली फंक्शन और दोस्तों के इन्विटेशन तक भूल जाता हूं। इसकी वजह यह नहीं है कि मुझे लोगों की परवाह नहीं है, बल्कि मैं अपने काम, सपनों और सिनेमा की दुनिया में पूरी तरह डूब जाता हूं। मैं जानता हूं कि यह मेरी एक बड़ी कमी है और इसलिए मैं खुद को परफेक्ट इंसान नहीं मानता।''अभिनेता ने आगे लिखा, ''भले ही मैं अपने इमोशन्स को शब्दों में कम व्यक्त करता हूं, लेकिन अपने तरीके से हमेशा कोशिश करता हूं कि मेरे अपने खुद को खास महसूस करें। मैं उनको यह एहसास दिलाने की कोशिश करता हूं कि मेरी जिंदगी में उनकी एक खास जगह है। अगर किसी को मेरी जरूरत होती है, तो मैं हमेशा उनके लिए मौजूद रहता हूं। कई बार सिर्फ किसी की बात ध्यान से सुन लेना भी प्यार जताने का सबसे अच्छा तरीका होता है।''अली फजल ने अपनी नई वेब सीरीज 'राख' का जिक्र करते हुए इसे अपने जीवन का एक बेहद खास अनुभव बताया।उन्होंने कहा, ''इस प्रोजेक्ट से जुड़ना और पूरी टीम के साथ काम करना मेरे लिए यादगार सफर रहा। इस सीरीज ने मुझे खुद को बेहतर तरीके से समझने का मौका दिया। कई बार हमारे आसपास के लोग और हमारे अनुभव हमें अपनी कमियों और खूबियों को पहचानना सिखाते हैं। मेरे लिए 'राख' भी ऐसा ही एक अनुभव साबित हुई।''

अली फजल की इस पोस्ट को सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है।अगर उनकी नई वेब सीरीज 'राख' की बात करें तो यह एक क्राइम थ्रिलर है, जिसकी कहानी एक वास्तविक घटना से प्रेरित बताई गई है। यह सीरीज गीता और संजय चोपड़ा के चर्चित अपहरण और हत्या के मामले पर आधारित है। इसमें अली फजल के साथ अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे और अभिनेता आमिर बशीर भी अहम भूमिकाओं में हैं।

उत्साह के साथ मनाया दलाई लामा का 91वां जन्मदिन

धर्मशाला/शिमला/भाषा। तिब्बत के आध्यात्मिक नेता दलाई लामा का 91वां जन्मदिन आज उत्साह के साथ पूरे हिमाचल प्रदेश में तिब्बती समुदाय द्वारा मनाया गया और इस अवसर पर विशेष प्रार्थनाएं आयोजित की गईं। दलाई लामा का जन्म छह जुलाई, 1935 को तिब्बत में अमदो इलाके के छोटे से गांव तक्तसेर में एक तिब्बती किसान परिवार में हुआ था। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने 14वें दलाई लामा को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि वह करुणा, अहिंसा और सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों के वैश्विक प्रतीक हैं।

जन्मदिन का प्रमुख समारोह लेह, लद्दाख में शेवात्सेल टीचिंग ग्राउंड में आयोजित किया गया जहां इस समय दलाई लामा दौरे पर हैं। इसके अलावा हिमाचल के कांगड़ा जिले में धर्मशाला के पास मैक्लॉडगंज में सुगलागखंग मठ में समारोह आयोजित किए गए जो केंद्रीय तिब्बती प्रशासन का मुख्यालय है। इस समारोह में कांगड़ा के उपायुक्त हेमराज बैरवा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस मौके पर तिब्बती कलाकारों ने परंपरागत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, वहीं तिब्बती निर्वासित समुदाय के वरिष्ठ नेताओं ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया।

एएपीआई अवॉर्ड से सम्मानित हुए अच्युत सामंत

ट्रांसफॉर्मेशनल सोशल वर्क और इंडो-यूएस पार्टनरशिप के लिए मिला अवार्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर। जाने-माने शिक्षाविद और केआईआईटी, केआईएमएस व केआईएसएस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत को अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडियन ओरिजिन ने अपने वार्षिक सम्मेलन एएपीआईकॉन-2026 में ट्रांसफॉर्मेशनल सोशल वर्क और इंडो-यूएस पार्टनरशिप के लिए --एएपीआई अवॉर्ड दिया। यह अवॉर्ड --एएपीआईकॉन 2026 और --एएपीआइ की 44वीं कांग्रेस के दौरान दिया गया। यह अवॉर्ड डॉ. सामंत की उत्कृष्ट समाज सेवा, दूरदर्शी समाजसेवा, मानवीय कामों में उनके अहम योगदान के लिए दिया गया। डॉ. सामंत को यह अवॉर्ड --एएपीआई के प्रेसिडेंट डॉ. अमित चक्रवर्ती ने 3 हजार डॉक्टरों की मौजूदगी में दिया। एएपीआई अमेरिका में भारतीय मूल के डॉक्टरों के सबसे पुराने और सबसे बड़े संगठनों में से एक है, जो 120,000 से ज़्यादा भारतीय मूल के डॉक्टरों को प्रतिनिधित्व करता है।

4 जुलाई का अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस के मौके सम्मानित हुई डॉ सामंत ने हेल्थकेयर और कम्युनिटी सर्विस म एएपीआई के शानदार योगदान की तारीफ़ की, साथ ही ग्लोबल हेल्थ को आगे बढ़ाने में भारत और भारतीय डायस्पोरा के बीच मज़बूत सहयोग के महत्व पर ज़ोर दिया। डॉ. सामंत ने एएपीआई डॉक्टरों से भी अपील की कि वे भारत में हेल्थकेयर सर्विस देने के लिए हर महीने कुछ दिन दें।

महिंद्रा ट्रैक्टर्स ने युवोटेक प्लस 585 डीआई वी1 ट्रैक्टर बाजार में उतारा

मुंबई/भाषा। महिंद्रा ट्रैक्टर्स ने अपने बहुउद्देशीय ट्रैक्टर युवोटेक प्लस 585 डीआई वी1 को देश भर की बाजारों में उतारने की सोमवार को घोषणा की। कंपनी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में वह सात नए ट्रैक्टर और 12 नए फीचर बाजार में उतारेगी। इनमें महिंद्रा की नई ट्रैक्टर श्रृंखला और स्वराज प्रोटेक के उत्पाद भी शामिल होंगे।

महिंद्रा ट्रैक्टर्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हर्ष राय ने कहा, चुनिंदा बाजारों में सफल शुरुआत के बाद अब हम युवोटेक प्लस 585 डीआई वी1 को पूरे भारत में पेश कर रहे है। यह ट्रैक्टर तेजी से बढ़ते युवोटेक मंच पर आधारित है और इसमें उन्नत तकनीक के साथ मजबूत प्रदर्शन और व्यावहारिक सुविधाओं का संयोजन है। कंपनी के अनुसार, इस ट्रैक्टर के साथ छह वर्ष की वारंटी दी जाएगी और यह देशभर में महिंद्रा के डीलर नेटवर्क पर उपलब्ध होगा।

रवीना टंडन ने ऐश्वर्या राय बच्चन की ट्रोलिंग को 'अनुचित' बताया

मुंबई। अभिनेत्री रवीना टंडन ने एक अंतरराष्ट्रीय रेड कार्पेट समारोह में अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन को सोशल मीडिया पर निशाना बनाए जाने की आलोचना करते हुए इसे बेहद ''दुर्भाग्यपूर्ण और अनुचित'' बताया। इस वर्ष मई में कान फिल्म महोत्सव में अपनी उपस्थिति के दौरान ऐश्वर्या ने अमित अग्रवाल द्वारा डिजाइन किए गए नीले रंग के गाउन में रेड कार्पेट पर शिरकत की थी, जिसने व्यापक ध्यान आकर्षित किया था। हालांकि, महोत्सव की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किए जाने के बाद उन्हें 'ऑनलाइन ट्रोलिंग' का सामना करना पड़ा।

रवीना ने कहा कि महिलाओं के रूप-रंग को लेकर लगातार की जाने वाली टिप्पणियां सोशल मीडिया के दौर की ''विषाक्त प्रवृत्ति'' को दर्शाती हैं। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण और पूरी तरह अनुचित है। किसी महिला की बढ़ती उम्र, उसके वजन या उसके पहनावे को लेकर इस तरह लगातार अत्यधिक ध्यान केंद्रित करना हमारी डिजिटल संस्कृति की एक निरंतर विषाक्त प्रवृत्ति है।'' रवीना टंडन ने ऐश्वर्या राय बच्चन को वैश्विक पहचान रखने वाली ''हस्ती'' बताते हुए कहा कि उन्हें केवल इस तरह के आकलनों तक सीमित कर देना उनके योगदान और कद को कमतर आंकने जैसा है।

उन्होंने कहा, ''ऐश्वर्या एक ऐसी वैश्विक हस्ती हैं, जिन्होंने दशकों से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर गरिमा और शालीनता के साथ हमारे देश का प्रतिनिधित्व किया है। उनके कद, उपलब्धियों और बुद्धिमत्ता वाली महिला को केवल किसी खराब कैमरा एंगल या किसी प्रयोगात्मक परिधान के आधार पर आंकना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।''

प्रदर्शन

दक्षिण 24 परगना जिले के बारूईपुर में एक नाबालिग लड़की के साथ कथित बलात्कार और हत्या के मामले में न्याय की मांग को लेकर एस्प्लेनेड पर विरोध प्रदर्शन करते फुटबॉल प्रेमी। यह प्रदर्शन फीफा विश्व कप 2026 के दौरान आयोजित किया गया।

'काला हिरण' के डायरेक्टर अमित जानी को मिली जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली/एजेन्सी

'उदयपुर फाइल्स' के डायरेक्टर अमित जानी को शहजाद भट्टी के भाई के नाम से जान से मारने की धमकी मिली है। अमित जानी को उनकी आने वाली फिल्म 'काला हिरण' को रोकने की के लिए यह धमकियां दी जा रही है। फिल्म निर्देशक को धमकियां व्हाट्सएप वॉइस नोट के जरिए एक पाकिस्तानी नंबर के माध्यम से दी जा रही हैं, जिसमें उन्हें उनकी आगामी फिल्म 'काला हिरण' को रोकने के लिए कहा जा रहा है। अमित जानी ने महाराष्ट्र सरकार और प्रशासन को एक ईमेल के जरिए जानकारी देने के साथ कहा कि मुझे मेरी फिल्म 'काला हिरण' को हटाने, रोकने और रिलीज से बाज आने की हजारों धमकियां मिल चुकी हैं। उन्होंने कहा कि डी कंपनी, शहजाद भट्टी का कॉल आया था, जिसका मुकदमा मैंने जोधपुर के रातनाडा थाना में दर्ज कराया था। रोहित गोदारा और गोल्डी बराड मुझे कॉल करके और दो बार वॉइस रिकॉर्डिंग भेजकर धमकी दे चुके हैं। शनिवार को मुझे आतंकी शहजाद भट्टी के कथित भाई का वॉइस नोट आया है, जिसमें साफ धमकी है कि 24 घंटे में या तो मैं सिनेमा का अपना काम छोड़ दूं या फिर मुझे और मेरे परिवार को मार दिया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि वे सुरक्षा के बीच भी हत्या की धमकी दे रहे हैं। मैं पूर्व में भी धमकियों से अवगत करवा चुका हूं। मेरे लिए मुंबई और राजस्थान जाना मौत के मुंह में जाने के बराबर है। उत्तर प्रदेश और दिल्ली की सुरक्षा में मैं एक हद तक कवर हूं, लेकिन अन्य राज्यों में मेरे शरीर के गोली या बम से चीथड़े उड़ा दिए जाएंगे।

ये बात मुझे मालूम है। अपनी सुरक्षा को लेकर उन्होंने सरकार से अनुरोध किया कि कृपया मेरी सुरक्षा देशभर में उपलब्ध कराई जाए। नोएडा पुलिस धमकियों को लेकर एक्शन ले। मेरा बेटा मुंबई में अकेला है। मैं उसके पास रहना चाहता हूं। वहां मेरा ऑफिस और घर है। मैं वहां शिफ्ट होना चाहता हूं, लेकिन इस समय जो सुरक्षा है, उसमें मुंबई कवर नहीं है। मुझसे ज्यादा अब ये गैंगस्टर और आतंकी मेरे परिवार को टारगेट करना चाहते हैं ताकि ये मुझे दबाव में लेकर फिल्म को रुकवा सकें।

विक्की कौशल का जोरदार वर्कआउट जारी, मानसून में भी ब्रेक नहीं

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा में बहुत कम समय में अपने अभिनय से पहचान बना चुके एक्टर विक्की कौशल फिटनेस को लेकर काफी सजग रहते हैं। उन्होंने फिटनेस के प्रति अपनी पूरी लगन की एक झलक फैंस के साथ साझा की। एक्टर ने अपने वर्कआउट सेशन का एक वीडियो शेयर किया और कहा कि कोई छुट्टी नहीं है। विक्की ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो क्लिप शेयर किया और कैप्शन में लिखा कि नो डेज ऑफ।वीडियो में एक्टर जबरदस्त 'बेयर क्रॉल' एक्सरसाइज करते हुए दिख रहे हैं।अनुशासित फिटनेस रूटीन बनाए रखने के लिए मशहूर विक्की अक्सर सोशल मीडिया पर अपने जिम सेशन की झलकियां फैंस के साथ शेयर करते रहते हैं।विक्की ने 2015 में फिल्म 'मसान' से डेब्यू किया था और उसके बाद 'राजी', 'सरदार उधम सिंह', 'सैम बहादुर' जैसी फिल्मों में जबरदस्त परफॉर्मेंस दी।फिल्म 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक' में विक्की की बेहतरीन और दमदार परफॉर्मेंस की काफी तारीफ हुई

थी। उन्हें पिछली बार 'छावा' में देखा गया था, जहां उन्हें दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों से ही बहुत अच्छे रिव्यू मिले।एक्टर के निजी जीवन की बात करे तो विक्की कौशल ने दिसंबर 2021 में राजस्थान में एक छोटे लेकिन शानदार समारोह में बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ से शादी की।इस कपल को 2025 में एक बेटा हुआ, जिसके बाद उनकी जिंदगी में नया अध्याय जुड़ा। विक्की अब संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के साथ नजर आएंगे।ऐसा लगता है कि एक्टर को फिटनेस की प्रेरणा अपने पिता और अनुभवी एक्शन डायरेक्टर शाम कौशल से मिलती है। अपने बेटे की तरह ही, 70 साल के अनुभवी एक्शन डायरेक्टर भी कुछ हफ्ते पहले फिटनेस के बड़े गोल सेट करते हुए दिखे थे। एक्टर के पिता ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी फिटनेस रूटीन की एक झलक शेयर की थी। वीडियो में 70 साल के एक्शन डायरेक्टर जिम में वेट के साथ बेंच प्रेस करते हुए दिखे। वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, भगवान की कृपा से छोटी-छोटी कोशिशें जारी हैं। रब राखा।

मद्रास कांवड़ संघ की ऐतिहासिक कांवड़ यात्रा 2 अगस्त से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास कांवड़ संघ, चेन्नई वर्ष 2026 में अपनी पावन कांवड़ यात्रा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती वर्ष मना रहा है। विगत 25 वर्षों से संघ श्रद्धा, भक्ति एवं सेवा भाव के साथ सुल्तानगंज से बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर तक कांवड़ यात्रा का सफल आयोजन करता आ रहा है। यह कांवड़ यात्रा 2 अगस्त को सुल्तानगंज से प्रारंभ होगी तथा 8 अगस्त को बाबा बैद्यनाथ धाम में पवित्र जलाभिषेक किया जाएगा। इसके पश्चात सभी श्रद्धालु बाबा वासुकीनाथ के दर्शन कर अपने-अपने गंतव्य के लिए प्रस्थान करेंगे। इस वर्ष की यात्रा में 85 श्रद्धालु शिवभक्त सहभागी होंगे।

इस विशेष अवसर पर चेन्नई के अन्नानगर स्थित डागा निवास पर मद्रास कांवड़ संघ के पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें यात्रा की रूपरेखा, सेवा कार्यों, आवास व्यवस्था, चिकित्सा सुविधा तथा अन्य व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए मद्रास कांवड़ संघ के चेयरमैन ओम प्रकाश डागा ने कहा कि रजत जयंती वर्ष संघ के लिए अत्यंत गौरव एवं आनंद का विषय है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष यात्रा को केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित न रखकर सेवा, समर्पण एवं शिवभक्ति का महोत्सव बनाया जाएगा। यात्रा मार्ग में श्रद्धालुओं एवं कांवड़ियों की सुविधा हेतु विभिन्न सेवा शिविर लगाए जाएंगे तथा संघ द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जाएँगी। संघ के अध्यक्ष संजय मूंदड़ा ने यात्रा की व्यवस्थाओं की जानकारी देते हुए बताया कि संघ के प्रतिनिधियों ने हाल ही में सुल्तानगंज से देवघर तक सम्पूर्ण कांवड़ मार्ग का निरीक्षण किया तथा विभिन्न पड़ावों पर उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। मीना डागा ने बताया कि यात्रा में राजस्थान के लक्ष्मणगढ़ के भजन गायक पवन शर्मा 'निर्मल' अपनी संपूर्ण संगीत टीम के साथ पूरी कांवड़ यात्रा में सहभागी रहेंगे। वे प्रतिदिन सायंकाल श्रद्धालुओं के लिए भव्य भजन संध्या का आयोजन करेंगे।

बुरे कर्म का फल बुरा और अच्छे का फल हमेशा अच्छा : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शमशेरबाद(तेलंगाना)। शहर के गंडीगुड़ा में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि हकीकत यह है कि हमारा मन, हमारी इच्छा-तृष्णाएं हमारे नियंत्रण में नहीं हैं। हम अपने मन को, यानी स्वयं को दोष देना नहीं चाहते। हम समय से पहले और भाग्य से अधिक सुख-सुविधाएं चाहते हैं। हम कम मेहनत में अधिक सफलताएं चाहते हैं। हम स्वास्थ्य तो अच्छा चाहते हैं, पर उस तरह अपना खानपान, रहन-सहन, जीवनचर्या बदलना नहीं चाहते। मन की यह कमजोरी है कि वह अच्छाइयों के प्रति अधिक आकृष्ट नहीं होता, जबकि बुराईयों के प्रति उसका ढलान ज्यादा होता है। जब तक मन की इन कुटिलताओं और कमजोरियों को समझने तथा उन्हें दूर करने के प्रयत्न नहीं होंगे, तब तक अपनी भलाई नहीं हो सकती। यदि हम नहीं बदलते हैं तो भगवान, गुरु और धर्म हमारा उद्धार नहीं कर सकते, क्योंकि हम अपने उद्धार के लिए यथार्थ के धरातल पर आना नहीं चाहते। ङ्गआचार्यश्री ने कहा कि कोई बीमारी, महामारी, दुष्काल, गरीबी, भुखमरी, बाढ़, भूस्खलन में मृत्यु, वाहनों की दुर्घटनाएं, अग्निकांड आदि आकस्मिक और आश्चर्यकारक नहीं है। ये सब कर्मवाद और प्रकृति की व्यवस्था का हिस्सा है। बुरे का फल बुरा और अच्छे का फल अच्छा होता है। भाग्य के खेल और प्रकृति की व्यवस्था में देर हो सकती है, अंधेर नहीं होती। अगर हम गलत करते हैं तो हमारा भी बराबर हिसाब होगा।

श्रीराम यूनिवर्सल स्कूल द्वारा अनुभवात्मक शिक्षण पहल कथा का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पेरम्बूर स्थित एसपीआर कंस्ट्रक्शन प्रांगड़ में संचालित श्रीराम यूनिवर्सल स्कूल ने कथा नामक एक अनूठी अनुभवात्मक शिक्षण पहल का शुभारंभ किया है जो भारत की समृद्ध कहानी परंपराओं का जश्न मनाते हुए कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों में रचनात्मकता, कल्पनाशीलता और पारिवारिक शिक्षा को बढ़ावा देती है। कथा के साथ कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों के लिए असेंबल कार्यक्रम की शुरुआत से बच्चों को स्टेम के व्यावहारिक अनुभव मिलते हैं जो कम उम्र से ही आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता, डिजाइन सोच, सहयोग और समस्या-समाधान कौशल को बढ़ावा देते हैं। इसके साथ ही कक्षा छह से बारह तक के छात्रों के लिए, शुरू किया गया रोबोटिक्स कार्यक्रम विद्यार्थियों को व्यावहारिक कौशल से लैस करता है ताकि वे तेजी से प्रौद्योगिकी-आधारित भविष्य के लिए तैयार हो सकें।

कथा लॉन्च महोत्सव में विद्यार्थियों के साथ ही बड़ी संख्या में अभिभावकों ने भाग लिया, जिससे एक जीवंत सामुदायिक अनुभव का माहौल निर्मित हुआ। इस अवसर पर श्रीराम यूनिवर्सल स्कूल, पेरम्बूर के बोर्ड सदस्य हुसैन दोहादवाला ने कहा कि श्रीराम यूनिवर्सल स्कूल में सबसे सशक्त शिक्षा अंतःक्रिया, अन्वेषण और व्यावहारिक अनुभवों के माध्यम से प्रदान की जाती है कथा कार्यक्रम की अनूठी पहल युवा विद्यार्थियों को कहानियों के माध्यम से विचारों का अन्वेषण करने के लिए प्रेरित करता है, जबकि असेंबल कार्यक्रम उन्हें रचनात्मक रूप से सोचने, निर्माण करने और समस्याओं को हल करने के लिए प्रोत्साहित करता है।यह पहल रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और समग्र विकास को बढ़ावा देती हैं साथ ही मजबूत शैक्षणिक नींव का निर्माण भी करती हैं।

महाविद्यालय में प्रवेश, जिन्दगी का बडा कदम : डा ललिताबाल कृष्णान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां माधावरम् के जय गोविंद हरीगोपाल अग्रवाल अग्रसेन कालेज में सोमवार को प्रथम वर्ष के छात्रों का तीन दिवसीय नव शिक्षारम्भ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। जिसमें स्कूल छात्रों ने कालेज के परिवेश में प्रवेश किया। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में अनेक सत्र हुए। कैरियर के प्रति सतर्कता बोध कराने व मार्गदर्शन हेतु विशेषज्ञों ने अपनी राय दी।

आज के कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एमओपी वैष्ण कॉलेज की पूर्व प्राचार्य एवं अग्रसेन कॉलेज की सलाहकार डा ललिता बालकृष्णनने अपने वक्तव्य मे कहा कि प्रथम वर्ष के छात्रों ने आज अपने जीवन में एक बडा कदम बढाया है जो उनको कामयाबी के ऊंचे पायदान पर ले जायेगा। कालेज का उत्साहपूर्ण वातावरण उनके लिए सहायक साबित होगा। सचिव हरीश कुमार सांघी ने शुभकामनाएं देते हुए कहा हमारा मैनेजमेंट आपके साथ है। अपनी कामयाबी के लिए कालेज की सुविधाओं का भरपूर लाभ उठाए। जीवन को सही दिशा में ले जाए। अपने इस तीन साल को कामयाबी का यादगार बनाए।

कोषाध्यक्ष बाल गोविंद गुप्ता ने कहा हम आपकी सुविधाजनक शिक्षा की यथा सम्भव पूरी व्यवस्था करेंगे। सहायक सचिव हरीश कुमार लोहिया ने भी शुभकामनायें दी। प्राचार्य डा वी गोपी ने सभी का स्वागत किया।

महावीर पाठशाला मनाएगी अपना रजत जयंती महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजाजीनगर स्थित स्थानकवासी जैन श्रावक संघ में संचालित महावीर पाठशाला अपने रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर ही है, उसी उपलक्ष्य में धार्मिक पाठशाला के बच्चों में संस्कार व ज्ञान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिनेश्वर मंडल द्वारा रविवार को स्थानक भवन में तथा पाठशाला की शिक्षिकाओं द्वारा 25 जुलाई को ज्येष्ठ पुष्कर भवन में रजत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। पाठशाला के संयोजक सुमतमल सुराणा ने बताया कि यह आयोजन गौतमचन्द कमलकुमार जैन परिवार के सौजन्य से अध्यक्ष जसवंत छाजेड़ व मंत्री विनय बम्ब की उपस्थिति में होगा।

मारवाड़ी युवा मंच चेन्नई मेट्रो ने 160 विद्यार्थियों को बांटी छात्रवृत्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। 'पढ़ेगा भारत, बढ़ेगा भारत' की भावना को साकार करते हुए मारवाड़ी युवा मंच चेन्नई मेट्रो द्वारा श्रीपाल भवन के प्रांगण में छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 160 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। मंच अध्यक्ष अनिल सिंघवी ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों का स्वागत किया। प्रकल्प संयोजक राजेश सुराणा ने बताया कि इस वर्ष लगभग 160 जरूरतमंद विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। उन्होंने विद्यार्थियों से मन लगाकर अध्ययन करने तथा अपने परिवार, समाज और देश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। पूर्व अध्यक्ष प्रवीण मुनोत ने मारवाड़ी युवा मंच चेन्नई मेट्रो की विभिन्न सामाजिक एवं सेवा गतिविधियों की जानकारी देते हुए संस्था के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि मंच विगत पाँच वर्षों से निरंतर प्रोजेक्ट ज्ञान के अंतर्गत छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन कर रहा है।

बेंगलूरु खदान हादसा

एनएचआरसी ने कर्नाटक सरकार को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में मांगा जवाब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बेंगलूरु। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने बेंगलूरु में दो जुलाई को एक खदान में हुए हादसे में सात प्रवासी मजदूरों की मौत पर संज्ञान लेते हुए कर्नाटक सरकार को नोटिस जारी किया है और दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया है। आयोग ने सोमवार को यह जानकारी दी। एनएचआरसी ने मीडिया में आई उन खबरों पर संज्ञान लिया, जिसके मुताबिक हादसे से खदान मालिक की लापरवाही का संकेत मिलता है। आयोग ने कहा कि अगर ये खबरें सच हैं, तो इनसे मानवाधिकारों के उल्लंघन का गंभीर मामला बनता है।

पुलिस के एक अधिकारी ने पूर्व में बताया था कि कर्नाटक की एक खदान में ग्रेनाइट का एक विशाल शिलाखंड ऊपर से खिसककर सात मजदूरों पर गिर गया, जिससे उनकी मौत हो गई। उन्होंने इस जानलेवा घटना के लिए ''लापरवाही'' को ज़िम्मेदार ठहराया।

हादसे में मारे गए मजदूरों में पांच मध्य प्रदेश के निवासी थे। एनएचआरसी ने बयान में कहा कि खबरों के मुताबिक, खदान मालिक की कथित लापरवाही से हुए इस हादसे के समय वहां पर करीब 16 मजदूर काम कर रहे थे। इसलिए कर्नाटक सरकार के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर दो हफ्ते में विस्तृत रिपोर्ट देने का निर्देश दिया जाता है। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक, हादसे के समय पत्थर तोड़ने वाली दो मशीनें चल रही थीं। घटना की असल वजह का पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

सुन्दरकांड

तिरुपुर में मां दुर्गा भक्त मंडल के तत्वावधान में 5 जुलाई को 1477वां सुन्दरकांड पाठ दीपक तातेड़, संतप्त तातेड़ के निवास पर किया। सुन्दरकाण्ड पाठ गणेश वन्दना एवं मन्त्रोच्चारण करके पाठ चालू किया पाठ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुआं ने भाग लिया।

अग्रवाल विद्यालय में अंतरविद्यालय शतरंज खेल प्रतियोगिता का समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। वेपेरी स्थित अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज में अग्रकिंग अंतरविद्यालय शतरंज खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। खेल के आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्रों को शतरंज खेल के प्रति रुचि बढ़ाकर उनके अंदर की छिपी प्रतिभा को निखारना है एवं छात्रों को इस तरह का मौका देकर प्रोत्साहित करने से ही हम भारत को गौरव प्रदान करने वाले विश्वनाथ आनंद जैसे प्रतिभाशाली व्यक्ति की तलाश कर सकेंगे। इस आयोजन में 50 विद्यालयों से 420 से भी अधिक संख्या में छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ ईश वंदना एव दीप प्रज्वलन से हुआ। इस अवसर पर ग्रैंड मास्टर हर्षवर्धन जीबी जी ने मुख्य अतिथि पद को गौरवांवित किया। विद्यालय की छात्रा इशिका ने अपने स्वागत भाषण से सभी अतिथियों का स्वागत किया। छात्रा श्रुति ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया। सचिव एवं संवाददाता मुरारीलाल सोंथलिया, संयुक्त संवाददाता शालिनी अग्रवाल, क्रीडा अध्यक्ष गौरव जैन, प्रधानाचार्या सी विजयलक्ष्मी ने पुष्प गुच्छ, शॉल, माला तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर मुख्य अतिथि का सम्मान किया। मुख्य अतिथि ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी खेल में जीतने के लिए कठिन परिश्रम, अभ्यास, दृढ़ निश्चय एवं खेल के प्रति समर्पण और एकाग्रता बहुत जरूरी है तथा इन मूल मत्रों से ही बड़ी से बड़ी चुनौतियों का सामना करके सफलता की सीढी तक पहुंचा जा सकता है। इस प्रतियोगिता में अंडर 11 , 14 और 17 के अंतर्गत सभी छात्र एवं छात्रा वर्ग को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेताओं को व्यक्तिगत ट्राफी तथा चौथा से दसवां स्थान प्राप्त करने वाले सभी विजेताओं को मेडल तथा प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका उत्साह वर्धन किया गया। इस समारोह में विद्यालय के समिति सदस्य मुकेश गुप्ता, शारदा अग्रवाल, शिल्पा जलान, वरिष्ठ उपप्रधानाचार्य रघुदेव के अतिरिक्त शिक्षकगणों, अभिभावकों तथा छात्रों ने अपनी उपस्थिति देकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। संचालन छात्रा नियति जैन एवं छात्र नैतिक ओसवाल ने किया। छात्रा रितवी जैन के धन्यवाद ज्ञापन किया।

करूर भगदड़ : गवाहों को प्रभावित करने के आरोपों वाली द्रमुक की याचिका पर आज सुनवाई

नई दिल्ली/चेन्नई। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को सहमति जताई कि वह पिछले साल तमिलनाडु के करूर में हुई भगदड़ की घटना के मामले में राज्य के मंत्रियों द्वारा गवाहों को सक्रिय रूप से ''प्रभावित करने'' के आरोपों वाली द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की याचिका को सात जुलाई को सूचीबद्ध करेगा। द्रमुक सचिव आरएस भारती की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील हुजेफा अहमदी द्वारा मामले में तत्काल सुनवाई का अनुरोध किए जाने के बाद न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति शील नागू की आंशिक कार्यदिवस पीठ ने याचिका मंगलवार को सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई।

याचिका में यह भी मांग की गई है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय, राज्य के मंत्री आधव अर्जुन और मामले में आरोपी अन्य लोगों को इस मामले पर सार्वजनिक बयान देने से रोका जाए तथा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा की जा रही जांच के लंबित रहने के दौरान पीड़ितों के परिवारों के साथ उनकी बातचीत को नियंत्रित किया जाए।

अहमदी ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार के मंत्री गवाहों को सक्रिय रूप से ''प्रभावित'' कर रहे हैं और आशंका जताई कि पीड़ितों के परिवारों से मिलने के लिए 10 जुलाई को करूर का विजय का प्रस्तावित दौरा जांच को प्रभावित कर सकता है।

हावेरी जिले में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से खत्म हो गई है : बसवराज बोम्मई

हावेरी। पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने गहरा गुस्सा जाहिर करते हुए कहा है कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से खत्म हो गई है और जिला प्रशासन अपनी पकड़ खो चुका है। उन्होंने हावेरी जिले के रत्तीहल्ली शहर में शिवाजीराव बैरोजी के घर जाकर उनके परिवार को सांत्वना दी, जिनकी एक मामूली वजह से हत्या कर दी गई थी। बाद में, मीडिया से बात करते हुए, उन्होंने जिले में सांप्रदायिक सद्भाव को खतरा पहुंचाने वाले हाल के अपराधों और घटनाओं को लेकर सरकार पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने आरोप लगाया, भरत और उसके पिता पिछले 60 सालों से वहां कारोबार कर रहे हैं। अंडे मांगने आना और पैसे के लिए हंगामा करना तो बस एक छोटी सी वजह थी। लेकिन इसके पीछे असली मकसद उन्हें वहां से भगाना और वहां की सभी दुकानों पर कब्जा करना था।

उन्होंने कहा कि जिले में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की बुरी नीयत है, ऐसी हिम्मत सिर्फ इसलिए आई है क्योंकि ऐसी ताकतों को बड़े पैमाने पर पॉलिटिकल सपोर्ट और मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के समय में जिले में कोई छोटा-मोटा सांप्रदायिक दंगा नहीं हुआ। लेकिन हाल के दिनों में, खासकर हावेरी जिले में 7-8 गंभीर मामले हुए हैं। हनागल गैंग रेप केस में रेप करने वाले युवक जब बेल पर आए, तो उन्होंने मार्च किया और तलवार ऐसे दिखाई जैसे उन्होंने कोई जंग जीत ली हो। इस दौरान पुलिस आंखें बंद करके बैठी रही।

शिगगांव में दिनदहाड़े एक भयानक हत्या हुई है। हनागल तालुक में 4-5 लव जिहाद के मामले दर्ज हुए हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में नारेगल और कागिनेली में ऐसी घटनाएं बार-बार हो रही हैं। उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, जिले में जउ और जुए जैसी गैर-कानूनी गतिविधियां बिना किसी रोक-टोक के चल रही हैं। मीडिया और जनता ने वीडियो बनाए हैं, फिर भी पुलिस सिर्फ नाम के लिए कार्रवाई कर रही है। इसका कारण यह है कि पुलिस और नेता इसमें शामिल हैं। सब कुछ परसेंटेज के आधार पर हो रहा है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.